संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 109
पृष्ठ 8
मंगलवार
06 जनवरी 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- इन ५ तरह के लोगों को रात को...

विचार- आधुनिक युग की बदलती जीवनशैली

खेल- भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव...

बाबूजी ने सत्ता नहीं संकल्प चुना था : सीएम

- सीएम योगी ने कल्याण सिंह को किया नमन
- कल्याण सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला में पढ़ा राष्ट्रवाद का पाठ-योगी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री पद्म विभूषण कल्याण सिंह बाबूजी की 94वीं जयंती के अवसर पर 2 माल एवेन्यू स्थित उनके आवास पर कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि बाबूजी कल्याण सिंह ने सत्ता नहीं बल्कि संकल्प और सिद्धांत को चुना और यही उनके सार्वजनिक जीवन की सबसे बड़ी पहचान रही।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1991 में जब बाबूजी कल्याण सिंह ने उत्तर प्रदेश के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश की कमान संभाली, तब राज्य अव्यवस्था, अराजकता और अपराध की गंभीर चुनौतियों से जूझ रहा था। आतंकी गतिविधियां सिर उठा रही थीं और शासन की योजनाओं का लाभ गांव, गरीब, किसान, महिलाओं और युवाओं तक प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पा रहा था। प्रशासनिक तंत्र कमजोर था और कानून-व्यवस्था पर भरोसा डगमगा चुका था। ऐसे कठिन समय में बाबूजी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी और प्रदेश में सुशासन की दिशा में आगे बढ़ने का विश्वास जगा। प्रत्येक प्रदेशवासी के मन में यह भावना प्रबल हुई कि उत्तर प्रदेश अब दृढ़ संकल्प के साथ विकास के नए सोपान तय करेगा। इस दौरान उनकी सरकार को अस्थिर करने के लिए राजनीतिक षड्यंत्र भी रचे गए। बाबूजी कल्याण सिंह का कार्यकाल श्रीराम जन्मभूमि आंदोलन के निर्णायक दौर से जुड़ा रहा। उन्होंने रामभक्तों और संत समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए आराध्य प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट आस्था को सर्वोपरि रखा। सत्ता की परवाह किए बिना कर्तव्य, सिद्धांतों के अनुरूप निर्णय लिये। आवश्यकता पड़ने पर सत्ता त्यागने से भी पीछे नहीं हटे। बाबूजी की सरकार भले ही चली गई हो लेकिन श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े घटनाक्रम की नैतिक जिम्मेदारी उन्होंने स्वयं स्वीकार की और साहस के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनका शासनकाल सुशासन, विकास और राष्ट्रवादी विचारधारा को आगे बढ़ाने वाले एक निर्णायक अध्याय के रूप में सदैव स्मरण किया जाएगा। किसान परिवार में जन्मे बाबूजी कल्याण सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की पाठशाला से राष्ट्रवाद की प्रेरणा प्राप्त की और उसे अपने जीवन का मूल मंत्र बना लिया। वे जीवनपर्यंत उसी विचारधारा के अनुरूप कार्य करते रहे और उत्तर प्रदेश की राजनीति को स्पष्ट दिशा देने का कार्य किया।इस दौरान कार्यक्रम संयोजक पूर्व सांसद राजवीर सिंह 'राजू भैया' ने कहा कि बाबूजी एक विचार और एक युग थे। उन्होंने सत्ता को कभी लक्ष्य नहीं बनाया, बल्कि संकल्प और सिद्धांत को सर्वोपरि रखा। बाबूजी की राजनीति समाज को जोड़ने वाली थी। उन्होंने सामाजिक न्याय को नारे के रूप में नहीं, बल्कि व्यवहार और नीति के रूप में स्थापित किया। पिछड़े, वंचित, किसान, नौजवान और महिलाओं को मुख्यधारा में सम्मान के साथ लाना उनके जीवन का संकल्प था। राजू भैया ने कहा कि बाबूजी ने सिखाया कि पद बड़ा नहीं होता, प्रतिबद्धता बड़ी होती हैय सत्ता अस्थायी होती है, संकल्प स्थायी होता है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर आज बाबूजी के त्याग, साहस और आत्मबलिदान का सजीव प्रमाण है। उन्होंने कहा कि बाबूजी की विचारधारा आज भी उत्तर प्रदेश और देश को एकजुट कर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।इस मौके पर उपस्थित मंत्री डॉ. संजय निषाद, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, भाजपा के पूर्व अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह चौधरी, सांसद सतीश गौतम, मुकेश राजपूत, अनेक विधायकों व जनप्रतिनिधियों और समर्थकों ने बाबूजी कल्याण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

भाजपा के 'मिशन साउथ' को धार

अमित ने तमिलनाडु में किया 2026 का शंखनाद

तिरुचिरापल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में पोंगल उत्सव में भाग लिया। भाजपा ने पोंगल उत्सव के दौरान एक राजनीतिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू किया है, जिसे 'नम्मा ऊरु मोदी पोंगल' नाम दिया गया है। इस पहल के तहत, भाजपा कार्यकर्ता और समर्थक स्थानीय (ऊरु) स्तर पर पोंगल मनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों, कल्याणकारी योजनाओं और नेतृत्व को उजागर करते हैं। पोंगल, दुनिया भर में तमिलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जो प्रकृति, सूर्य, खेत के जानवरों और किसानों के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। इसे पारंपरिक रूप से पारिवारिक त्योहार के रूप में मनाया जाता है, जो समृद्धि, कृतज्ञता और एकजुटता का प्रतीक है। उत्सव को सुगम बनाने के लिए, तमिलनाडु सरकार ने पहले सभी पात्र लाभार्थियों के लिए एक किलोग्राम कच्चा चावल, एक किलोग्राम चीनी और एक गन्ने की बेल वाला पोंगल उपहार पैकेज घोषित किया था। केंद्रीय गृह मंत्री रविवार को दो दिवसीय दौरे पर तमिलनाडु पहुंचे और तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन के नेतृत्व में आयोजित ''तमिलगम थलाई निमिरा तमिलनिन पयानम'' अभियान यात्रा के समापन समारोह में शामिल हुए। इससे पहले रविवार को, राज्य भाजपा अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन की मैराथन यात्रा के समापन समारोह में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने घोषणा की, ष्अप्रैल 2026 में तमिलनाडु में एनडीए सरकार बनेगी। हाल के वर्षों में मिली चुनावी जीत का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 2024 और 2025 भारतीय जनता पार्टी की जीत के वर्ष थे; अब, 2026 वह वर्ष होगा जब हम तमिलनाडु और बंगाल में जनादेश लाएंगे। गृह मंत्री ने तमिलनाडु के नागरिकोंसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के दृष्टिकोण में एकजुट होने और उनका साथ देने का आग्रह किया। शाह का भाषण सत्तारूढ़ डीएमके का विरोध करने के लिए भाजपा की गठबंधन रणनीति की औपचारिक पुष्टि थी। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा एआईएडीएमके और अन्य क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ एक मजबूत गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।

राजस्थान की भाजपा सरकार ने जनहितैषी योजनाओं को कमजोर किया : अशोक गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बच्ची के इलाज में कथित देरी को लेकर सोमवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधा और उस पर जनहितैषी योजनाओं का कमजोर करने का आरोप लगाया। गहलोत ने इस घटना से जुड़ी खबर साझा करते हुए एक्स पर लिखा, ''मंचों से 'राष्ट्रीय एकता' और 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की बड़ी-बड़ी बातें करने वाली भाजपा सरकार का असली चेहरा जयपुर के एसएमएस अस्पताल की घटना ने उजागर कर दिया है।'' उन्होंने लिखा,''जयपुर में करंट से झुलसी मध्यप्रदेश की एक बालिका को एसएमएस अस्पताल में केवल इसलिए घंटों इलाज नहीं मिला क्योंकि उसके पास आयुष्मान कार्ड नहीं था। यह अमानवीयता की पराकाष्ठा है। क्या इलाज की आवश्यकता में भी राज्य देखा जाएगा?'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा,''हमारी कांग्रेस सरकार ने मुख्यमंत्री चिरंजीवी जीवन रक्षा योजना इसलिए लागू की थी ताकि किसी भी तरह की दुर्घटना में घायल व्यक्ति को, चाहे वह किसी भी राज्य का निवासी हो, बिना किसी कार्ड या पैसे के 72 घंटे तक पूर्णतः निःशुल्क आपातकालीन इलाज मिल सके।'' उन्होंने कहा कि पिछली कांग्रेस सरकार का स्पष्ट मत था कि गोल्डन ऑवर में डॉक्टर की प्राथमिकता मरीज की जान बचाना होनी चाहिए, न कि कागज जांचना। उन्होंने कहा कि बेहद दुखद है कि मौजूदा भाजपा सरकार ने इन जनहितैषी योजनाओं को कमजोर कर राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को पुनः कार्ड और शर्तों का मोहताज बना दिया है। कांग्रेस नेता के अनुसार राज्य सरकार इस मामले को नजीर बनाकर तुरंत संज्ञान ले और सुनिश्चित करे कि आपात स्थिति में किसी का भी इलाज कागजों की कमी से न रुके एवं मरीज की जान बचाना पहला लक्ष्य हो।

एसआईआर के दौरान 'अमानवीय' आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करूंगी : ममता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए ''अमानवीय'' आचरण के खिलाफ अदालत का रुख करेंगी। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी के कारण कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। उन्होंने कहा, ''हम एसआईआर के कारण हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे।''

उन्होंने कहा, ''यदि अनुमति मिली तो मैं भी उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर कर एक आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं एक प्रशिक्षित वकील भी हूं।''

बनर्जी ने आरोप लगाया कि बिना वैध कारणों के मतदाता सूची से नामों को ''मनमाने ढंग से'' हटाया जा रहा है, जिससे विधानसभा चुनावों से पहले एक नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया डर पैदा करने वाली प्रक्रिया बन गई है।

राजनाथ ने पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' राष्ट्र को समर्पित किया

नयी दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोत निर्माण और समुद्री क्षमताओं के विकास में आत्मनिर्भरता की दिशा में देश की बड़ी उपलब्धि के रूप में सोमवार को गोवा में पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' राष्ट्र को समर्पित किया। भारतीय तटरक्षक के इस पोत को गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने बनाया है। लगभग 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ समुद्र प्रताप भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किया गया प्रदूषण नियंत्रण पोत है और तटरक्षक बल के बेड़े का सबसे बड़ा जहाज है। समुद्र प्रताप के शामिल होने से प्रदूषण नियंत्रण, अग्निशमन, समुद्री सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण में भारतीय तटरक्षक बल की परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही यह भारत के विस्तृत समुद्री क्षेत्रों में दीर्घकालिक निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया अभियानों को सशक्त बनाएगा। रक्षा मंत्री ने इस पोत को भारत के परिपक्व रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का प्रतीक बताया जो जटिल विनिर्माण चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा समुद्री पोत में स्वदेशी सामग्री को 90 प्रतिशत तक बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

श्री सिंह ने कहा कि समुद्र प्रताप को विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण के लिए डिज़ाइन किया गया है, लेकिन इसकी भूमिका केवल यहीं तक सीमित नहीं है। एक ही मंच पर कई क्षमताओं के एकीकरण से यह पोत तटीय गश्त में भी प्रभावी सिद्ध होगा तथा समुद्री सुरक्षा को और मजबूत करेगा। रक्षा मंत्री ने समुद्री प्रदूषण नियंत्रण से लेकर तटीय स्वच्छता, खोज एवं बचाव कार्यों से लेकर समुद्री कानून प्रवर्तन तक भारतीय तटरक्षक बल की बहुआयामी भूमिका की सराहना की।

उन्होंने कहा कि तटरक्षक बल जिस प्रकार अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहा है उससे देश के शत्रुओं को स्पष्ट संदेश गया है कि यदि उन्होंने भारत की समुद्री सीमाओं पर बुरी नज़र डाली या किसी भी प्रकार का दुस्साहस किया, तो उन्हें सख्त और उपयुक्त जवाब मिलेगा।

पीएम मोदी का लद्दाख पर खास फोकस, एलजी संग मीटिंग में विकास-कनेक्टिविटी पर मंथन

नई दिल्ली, एजेंसी। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने सोमवार को राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बैठक में लद्दाख में जन कल्याण, प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताओं, अवसंरचना, कनेक्टिविटी, पर्यटन और समावेशी विकास पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के आधिकारिक हैंडल एक्स पर एक पोस्ट में लिखा गया, लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के आधिकारिक हैंडल ने ग को पोस्ट किया, ष्उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्रमोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। चर्चा में लद्दाख में जन कल्याण, प्रमुख विकासात्मक प्राथमिकताएं, अवसंरचना, कनेक्टिविटी, पर्यटन और समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया। इससे पहले 30 दिसंबर को लद्दाख के मुख्य सचिव नामित आशीष कुंद्रा ने लेह स्थित एलजी सचिवालय में लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता से शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, उपराज्यपाल और मुख्य सचिव नामित ने प्रमुख प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में शासन और विकास संबंधी मामलों पर चर्चा की। उपराज्यपाल ने आईएएस अधिकारी आशीष कुंद्रा को उनकी नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं और लद्दाख में कुशल प्रशासन को और मजबूत करने में उनकी भूमिका पर विश्वास व्यक्त किया। 17 दिसंबर को लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और लद्दाख की विकास प्राथमिकताओं, वित्तीय आवश्यकताओं और समावेशी विकास के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उपायों पर विस्तृत चर्चा की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, राज्यपाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री को लद्दाख द्वारा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, विकास कार्यों में तेजी लाने और पूरे क्षेत्र में समावेशी विकास सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया।

अजमेर शरीफ दरगाह में प्रधानमंत्री की चादर चढ़ाने का विरोध, एससी ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोच्च न्यायालय ने अजमेर स्थित 13वीं शताब्दी के सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर प्रधानमंत्री द्वारा राज्य प्रायोजित औपचारिक सम्मान या चादर चढ़ाने की प्रथा के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने कहा कि चूंकि चादर चढ़ाई जा चुकी है, इसलिए यह मुद्दा निरर्थक हो गया है। पीठ ने यह भी कहा कि यह ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर न्यायालय निर्णय ले सके। याचिकाकर्ताओं ने भारत सरकार, जिसमें प्रधानमंत्री भी शामिल हैं, को वार्षिक उर्स समारोह के तहत अजमेर दरगाह पर चादर जैसे औपचारिक सम्मान अर्पित करने से रोकने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि ऐसे कृत्य जनता की इच्छा, राष्ट्रीय संप्रभुता और भारतीय संविधान के मूल्यों के विपरीत हैं। अजमेर शरीफ दरगाह पर औपचारिक श्चादरश चढ़ाने की परंपरा पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1947 में शुरू की थी और बाद के प्रधानमंत्रियों ने भी इसका पालन किया। यह याचिका विश्व वैदिक सनातन संघ के अध्यक्ष जितेंद्र सिंह और हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दायर की है। जनहित याचिका में केंद्र सरकार द्वारा ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती को दिए गए ष्राज्य-प्रायोजित औपचारिक सम्मान, आधिकारिक संरक्षण और प्रतीकात्मक मान्यताष को चुनौती दी गई है। ऐतिहासिक अभिलेखों का हवाला देते हुए आरोप लगाया गया है कि मोइनुद्दीन चिश्ती 12वीं शताब्दी में शहाबुद्दीन गोरी के आक्रमणों के दौरान भारत आए थे और विदेशी विजय और धर्मांतरण अभियानों से जुड़े थे, जबकि उनकी दरगाह को संस्थागत रूप बहुत बाद में मिला।

शहर समता विचार मंच, प्रयागराज

कन्हैया लाल स्मृति साहित्य सम्मान 2026

हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में काव्य संग्रह, कहानी संग्रह, उपन्यास, संस्मरण, नाटक आदि विधाओं में यह सम्मान प्रदान किया जाता है। इस सम्मान को प्राप्त करने के इच्छुक साहित्यकार अपनी कृतियों को 5 - 5 प्रतियों में निम्न पते पर 1 फरवरी 2026 तक भेजें। 2023, 2024, 2025 तक की रचनाओं को सम्मिलित किया जाएगा। रचनाएँ पूर्णतया मौलिक होनी चाहिए।

प्रवीष्टियाँ भेजने की अंतिम तिथि 1 फरवरी 2026 है।

पता-'शहर समता' (दैनिक, साप्ताहिक) राष्ट्रीय समाचार पत्र कार्यालय289/238ए,अनंत भवन, कर्नलगंज थाने के पीछे प्रयागराज 211002

गूगल रिव्यू के नाम पर युवती से 1.12 लाख की ठगी, मुनाफे का लालच देकर बनाया शिकार

प्रयागराज। करेली की 23 वर्षीय युवती से गूगल रिव्यू के नाम पर 1.12 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने मोबाइल फोन पर मैसेज भेजकर युवती से संपर्क साधा और फिर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर चपत लगा दी।

करेली की 23 वर्षीय युवती से गूगल रिव्यू के नाम पर 1.12 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगों ने मोबाइल फोन पर मैसेज भेजकर युवती से संपर्क साधा और फिर मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर चपत लगा दी। साइबर थाना

पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

करेलाबाग कॉलोनी निवासी खुशी चौबे ने पुलिस को बताया कि मोबाइल पर आठ दिसंबर रात करीब 9रू42 बजे अन्जान नंबर से मैसेज आया। मैसेज भेजने वाली युवती ने अपना नाम इशा बताकर कहा कि वह एक निजी कंपनी से जुड़ी है। इसके बाद उसने कंपनी में निवेश का झांसा देकर गूगल रिव्यू करने के लिए कहा और फिर एक टेलीग्राम ग्रुप से जोड़ दिया। इसके बाद संदीप नाम के व्यक्ति से बात कराई।

संदीप ने बातों में फंसाकर 1,12,388 रुपये निवेश करवा दिए। झांसा दिया कि रुपये निवेश करने के कुछ दिन बाद मोटा मुनाफा मिलेगा। हालांकि, इसके बाद आरोपियों ने बातचीत बंद कर दी। पीड़िता ने बताया कि उसने कुल आठ बार में आरोपियों को रुपये ट्रांसफर किए थे। साइबर थाना पुलिस बैंक खाता नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान में जुट गई है।

गलत फैसले को आधार बनाकर अधिकारियों को आदेश पारित करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि प्रशासन ने किसी मामले में गलत निर्णय लिया है तो उसे आधार बनाकर दूसरे व्यक्ति के लिए वैसा ही अवैध आदेश पारित करने के लिए अधिकारियों को बाध्य नहीं किया जा सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि यदि प्रशासन ने किसी मामले में गलत निर्णय लिया है तो उसे आधार बनाकर दूसरे व्यक्ति के लिए वैसा ही अवैध आदेश पारित करने के लिए अधिकारियों को बाध्य नहीं किया जा सकता। इसी टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकल पीठ ने अनुकंपा के तहत सहायक अध्यापक के पद पर नियुक्ति की मांग को लेकर आदित्य कुमार व एक अन्य की याचिका खारिज कर दी।

यह मामला फतेहपुर का है। याचिकाकर्ताओं ने पिताओं की सेवाकाल के दौरान मौत होने पर सहायक अध्यापक के पद के लिए अनुकंपा नियुक्ति की मांग उठाई तो जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) ने आवेदन खारिज कर दिया। इस पर याचियों ने बीएसए के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। वहीं, सुनवाई के दौरान शिक्षा विभाग के अधिवक्ता ने दलील देते हुए शैलेंद्र कुमार बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले में फैसले का हवाला दिया। कहा कि 2024 में मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा था कि सहायक अध्यापक के पद पर कोई अनुकंपा नियुक्ति नहीं की जाएगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि अनुकंपा के आधार पर सहायक शिक्षकों की नियुक्ति शिक्षा के अधिकार अधिनियम का उल्लंघन है।

वहीं, याचियों के अधिवक्ता ने दलील दी कि इस आदेश के बावजूद जून से सितंबर 2025 के बीच विभिन्न जिलों में कई लोगों को इसी पद पर नियुक्तियां दी गई हैं। ऐसे में इसका लाभ न देना याचियों के साथ भेदभाव है। इस पर हाईकोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि किसी पूर्व की गलती को दोहराने या दूसरे अवैध आदेश को जारी करने के लिए रिट याचिका के माध्यम से दबाव नहीं बनाया जा सकता। कोर्ट ने याचिका योग्यता के आधार पर खारिज कर दी।

संपत्ति विवाद में भाई को गोली मारने आरोपी के पिता, बहन और भांजी लापता

प्रयागराज। मउआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम लोकापुर विशानी में संपत्ति को लेकर शनिवार को बड़े भाई मुकेश कुमार ने अपने छोटे भाई मुकुंद लाल पटेल को गोली मार दी थी। इसमें पुलिस ने मुकेश के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामले में पता चला कि घटना के एक दिन पहले मुकुंद लाल के पिता राम सिंह पटेल (55), बहन साधना देवी (24), भांजी आस्था देवी (14) घर में ताला बंद कर कहीं चले गए हैं। पुलिस ने गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। लोकापुर विशानी में जमीन विवाद में गोली चलने से मुकुंद लाल के चेहरे और गर्दन पर चोट आई थी। मामले में आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास की एफआईआर दर्ज की गई है। रविवार को एसीपी फूलपुर विवेक यादव, इंस्पेक्टर मऊआइमा पंकज अवस्थी डॉग स्क्वायड, फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचे और जांच की। राम सिंह के दो बेटों में जमीन का विवाद था। राम सिंह छोटे पुत्र मुकुंद लाल, पुत्री साधना देवी और उनकी नातिन आस्था एक साथ ही रहते हैं। जबकि मुकेश कुमार अलग घर बनवाकर अपनी पत्नी प्रमिला देवी दो पुत्रियां और एक पुत्र के साथ रहता है। दो वर्ष पूर्व राम सिंह पटेल ने अपनी साढ़े चार बीघा जमीन मुकुंद लाल को बैनामा कर दी थी। जब मुकेश कुमार को पता चला तो वह पिता और भाई से खेत में हिस्सा मांगने के लिए झगड़ता था। शनिवार को इसी विवाद में मुकेश कुमार ने मुकुंद लाल पर फायर किया था।

मुकुंद लाल ने बताया कि वह शुक्रवार को बहरिया के कटनाई में शटरिंग का काम कर रहा था। रात में कटनाई में ही रुक गया। शनिवार को दोपहर में जैसे ही वह घर पहुंचा, बड़ा भाई विवाद करने लगा और फायर कर दिया। उपचार और एफआईआर दर्ज कराकर वह घर पहुंचा तो परिवार के सभी लोग लापता थे।

भीड़ न होने की वजह से रेलवे ने हटाए सारे प्रतिबंध, जंक्शन समेत सभी स्टेशनों पर स्थिति सामान्य

प्रयागराज। यात्रियों की समान्य आवाजाही होने की वजह से प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, प्रयागराज छिवकी और नैनी जंक्शन पर पौष पूर्णिमा की वजह से लगाए गए तमाम प्रबंध वापस ले लिए गए हैं।

माघ मेला के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर शहर के रेलवे स्टेशनों पर अनुमान के मुताबिक भीड़ न जुटने के बाद रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन, सूबेदारगंज, छिवकी, नैनी स्टेशन पर आने और जाने वाले यात्रियों को राहत दी है। इन सभी स्टेशनों पर महाकुंभ जैसी पाबंदी हटा दी गई है।

पाबंदी हटने के बाद प्रयागराज जंक्शन के सिविल लाइंस साइड को भी रविवार दोपहर से यात्रियों की आवाजाही के लिए खोल दिया गया। हालांकि सिविल लाइंस साइड से वाहनों को प्रवेश न दिए जाने से यात्री निराश भी हुए।

पौष पूर्णिमा पर महाकुंभ की तर्ज पर भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था लागू होने से यात्रियों को काफी परेशानी हुई। यह प्रतिबंध रविवार और सोमवार को भी लागू रहना था। जंक्शन समेत अन्य रेलवे स्टेशनों पर लगे एस्केलेटर और लिफ्ट भी चालू कर दी गई।

वंदे भारत से नई दिल्ली जा रहे अमित ने बताया कि अच्छा ही हुआ कि सिविल लाइंस साइड से इंट्री मिल गई अन्यथा सिटी साइड से होकर जाना पड़ता।

इसी तरह जंक्शन पहुंची डॉ. निधि ने बताया कि सिविल लाइंस साइड से प्रवेश तो मिला लेकिन वाहन को इंट्री नहीं मिली। इस वजह से सारा सामान लेकर अंदर पैदल ही जाना पड़ा।

यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों पर पूर्व में लागू किए गए सभी प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक समाप्त कर दिए गए हैं। अगर भीड़ होती है तो प्रतिबंध दोबारा लागू किए जा सकते हैं। – अमित कुमार सिंह, पीआरओ, प्रयागराज मंडल।

अपार्टमेंट में फ्लैट खरीदना पड़ेगा महंगा, निर्माण की दरें बढ़ीं

प्रयागराज। शहर के अपार्टमेंट में फ्लैट खरीदना अब महंगा पड़ेगा। सर्किल रेट में बढ़ोतरी के साथ ही सामान्य मकानों और चार मंजिला से अधिक वाले बहुमंजिला गैर वाणिज्यिक भवनों की निर्माण दरें भी बढ़ा दी गईं हैं।

शहर के अपार्टमेंट में फ्लैट खरीदना अब महंगा पड़ेगा। सर्किल रेट में बढ़ोतरी के साथ ही सामान्य मकानों और चार मंजिला से अधिक वाले बहुमंजिला गैर वाणिज्यिक भवनों की निर्माण दरें भी बढ़ा दी गईं हैं। सर्किल रेट बढ़ने से जहां जमीन महंगी हो गई है, वहीं निर्माण दरों में बढ़ोतरी के कारण मकान या फ्लैट के कवर्ड एरिया का मूल्यांकन भी बढ़ेगा और इससे बैनामे के लिए पहले के मुकाबले अब अधिक धनराशि खर्च करनी होगी।

शहर में चार मंजिला से अधिक वाले बहुमंजिला गैर वाणिज्यिक भवनों की निर्माण दर 25 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित की गई है जबकि इससे पहले निर्माण दर 22 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर थी।

निबंधन विभाग ने छत के आधार पर निर्माण की पांच

श्रेणियां बनाईं हैं। पहली श्रेणी में आरसीसी, दूसरी में आरबीसी, तीसरी में कड़ी, गर्डर पटिया, डाट, चौथी में टिनशेड, एस्बेस्टस शेड, फाइवर शेड और पांचवीं श्रेणी में कच्चा, छप्प, खपरैल शामिल हैं।

आरसीसी की अधिवर्षिता आयु 80 वर्ष तय की गई है और पहली श्रेणी के निर्माण की दर 23 हजार व दूसरी श्रेणी की 21 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर निर्धारित की गई है। इसी तरह आरबीसी की पूर्व निर्धारित निर्माण की दर 18 हजार व 16 हजार को बढ़ाकर क्रमशरू 20 हजार व 18 रुपये प्रति वर्ग मीटर किया गया है। इसकी अधिवर्षिता आयु 60 वर्ष तय की गई है।

कड़ी, गर्डर पटिया, डाट की अधिवर्षिता आयु 50 वर्ष है और प्रथम श्रेणी के निर्माण की दर 15 हजार व द्वितीय श्रेणी की 14 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर है जबकि इससे पहले क्रमशरू 14 हजार व 13 हजार थी। टिनशेड, एस्बेस्टस शेड, फाइबर शेड (अधिवर्षिता आयु 40 वर्ष) की पूर्व में निर्धारित प्रथम श्रेणी की निर्माण दर 12 हजार व द्वितीय श्रेणी की निर्माण दर 11 हजार को बढ़ाकर क्रमशरू 13 हजार व 12 हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर किया गया है।

वहीं, कच्चा, छप्पर व खपरैल की छत वाले मकान की निर्माण दर में पांच सौ रुपये प्रति वर्ग मीटर की दर से वृद्धि की गई है। पूर्व में प्रथम श्रेणी के निर्माण की दर 9500 व द्वितीय श्रेणी की 8500 रुपये प्रति वर्गमीटर थी, जिसे बढ़ाकर अब क्रमशरू 10 हजार व नौ हजार रुपये प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया है। निर्माण की अधिवर्षिता आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है।

संक्रांति पर एक करोड़ श्रद्धालु कर सकते हैं स्नान, अधिकारियों ने शुरू की तैयारियां

प्रयागराज। मकर संक्रांति पर 15 जनवरी को मेला प्रशासन का अनुमान है कि संगम समेत विभिन्न घाटों पर एक करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकते हैं। पौष पूर्णिमा स्नान पर 31 लाख लोगों के आने के बाद रविवार को प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने बैठक कर नए सिरे से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मकर संक्रांति पर 15 जनवरी को मेला प्रशासन का अनुमान है कि संगम समेत विभिन्न घाटों पर एक करोड़ श्रद्धालु स्नान कर सकते हैं। पौष पूर्णिमा स्नान पर 31 लाख लोगों के आने के बाद रविवार को प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने बैठक कर नए सिरे से तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मकर संक्रांति पर पहले मेला प्रशासन ने 50 लाख लोगों के आने का अनुमान लगाया था। 15 जनवरी 2024 में मकर संक्रांति पर 29 लाख लोगों ने स्नान किया था। 2023 में यह संख्या कम रही। वहीं, 2025 में महाकुंभ में तीन करोड़ 50 लाख श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई थी।

मौनी अमावस्या, वसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि को लेकर भी अनुमानित संख्या बढ़ गई है। माघ मेले के संपूर्ण अवधि में 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है।

पौष पूर्णिमा स्नान के बाद व्यवस्थाओं की समीक्षा

माघ मेले के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के सकुशल संपन्न होने के बाद सोमवार को मंडलायुक्त सौम्या अग्रवाल ने मेला क्षेत्र की व्यवस्थाओं की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रथम स्नान के दौरान सामने आईं कठिनाइयों व उनके निराकरण को लेकर विभिन्न विभागों से जानकारी ली। मंडलायुक्त ने मेला क्षेत्र में नल, विद्युत, शौचालय सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का आकलन किया। जहां–जहां सुधार की आवश्यकता पाई गई, वहां अतिशीघ्र कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। बैठक के बाद मंडलायुक्त ने संगम नोज सहित मेला क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आगामी स्नान पर्वों को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा।

अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष चर्चा

जल निगम द्वारा की गई अग्नि सुरक्षा व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जल निगम के मुख्य अभियंता ने बताया कि मेला क्षेत्र में 23 स्थानों पर अतिरिक्त फायर हाइड्रेंट स्थापित किए गए हैं जिन्हें ट्यूबवेल से जोड़ा गया है। इन फायर हाइड्रेंट्स के माध्यम से आपातकालीन स्थिति में फायर टेंडर वाहनों को मात्र 12 मिनट में ही पानी से भरा जा सकेगा जिससे आग की किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई संभव हो सकेगी। ब्यूरो

अवैध टेंट और दुकानों पर कार्रवाई के निर्देश

बादपुर में बदला गया ट्रांसफॉर्मर भी जला, 10 दिन से अंधेरे में दर्जनों परिवार

प्रयागराज। विद्युत उपकेंद्र मांडा रोड से जुड़े बादपुर गांव में बिजली आपूर्ति की समस्या गंभीर बनी हुई है। गांव की बस्ती में लगा 25 केवीए का ट्रांसफॉर्मर करीब दस दिन पहले फुंक गया था। उपभोक्ताओं की शिकायत के बाद बीते 30 दिसंबर की शाम फुंके ट्रांसफॉर्मर को बदला गया, जिससे ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि रात में ट्रांसफॉर्मर का तेल गर्म होने के बाद अगली सुबह बिजली आपूर्ति बहाल हो जाएगी, लेकिन सुबह लोड पड़ते ही ट्रांसफॉर्मर जल गया। बादपुर निवासी उपभोक्ता इंद्र बहादुर सिंह, सुरेंद्र बहादुर सिंह, राघवेंद्र बहादुर सिंह और तेज प्रताप सिंह ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर फुंके रहने से पिछले 10 दिनों से दर्जनों परिवार अंधेरे में रहने को मजबूर हैं। घटना के बाद उपभोक्ताओं ने दोबारा विभाग में शिकायत दर्ज कराई है और जल्द से जल्द फुंके ट्रांसफॉर्मर को बदलकर आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है। एसडीओ अशोक कुमार ने बताया कि फुंके ट्रांसफॉर्मर को बदलने की पत्रावली स्टोर रूम भेज दी गई है। जल्द ही नया ट्रांसफॉर्मर लगवाकर बिजली आपूर्ति बहाल करा दी जाएगी। ब्लॉक क्षेत्र के तीनों प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. अजित सिंह ने बताया कि मेले के दौरान मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाएं वितरित की गईं। नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र महेवा कला में अधीक्षक डॉ. अजित सिंह एवं फार्मासिस्ट सतेंद्र कुमार ने 17 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

सवा घंटे की देरी से पहुंची भुवनेश्वर की फ्लाइट, ट्रेनें भी रहीं लेट

प्रयागराज। कोहरे की वजह से प्रयागराज आने वाली इंडिगो की भुवनेश्वर–प्रयागराज फ्लाइट रविवार को सवा घंटे की देरी से पहुंची। हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद आने वाली अन्य विमानों का समय से ही आवागमन हुआ। कोहरे की वजह से प्रयागराज आने वाली इंडिगो की भुवनेश्वर–प्रयागराज फ्लाइट रविवार को सवा घंटे की देरी से पहुंची। हालांकि दोपहर 12 बजे के बाद आने वाली अन्य विमानों का समय से ही आवागमन हुआ।

इंडिगो की भुवनेश्वर फ्लाइट का यहां सुबह 11 बजे आगमन होता है लेकिन इसका आगमन 12रू15 बजे हुआ। विलंब से आने की वजह से वापसी में यह विमान दोपहर 12रू35 की जगह 12रू55 बजे उड़ा। वहीं अकासा एयर की मुंबई फ्लाइट तय समय 3रू15 बजे के बजाय दोपहर 2रू50 बजे ही यहां पहुंच गई। यहां से इसकी रवानगी शाम 4रू05 बजे हुई।

वहीं, दूसरी ओर ट्रेनों की बात करें तो प्रयागराज और

सूबेदारगंज आने वाली तमाम ट्रेनें देरी से ही पहुंची। नई दिल्ली से आने वाली प्रयागराज एक्सप्रेस लगभग ढाई घंटे की देरी से रविवार को सूबेदारगंज रेलवे स्टेशन पहुंची। वहीं, हमसफर एक्सप्रेस करीब 3रू45 मिनट लेट होकर प्रयागराज जंक्शन आई। ग्वालियर–प्रयागराज 4रू15 घंटे, नाहरलागुन–हापा स्पेशल 10रू20 घंटे, आगरा वंदे भारत 1रू15 घंटे, शिवगंगा 2 घंटे की देरी से जंक्शन पहुंची।

अयोध्या जाने वालीं कई स्पेशल ट्रेन भी निरस्त

माघ मेला के पहले स्नान पर्व पौष पूर्णिमा पर ट्रेनों में उम्मीद के मुताबिक यात्रियों की संख्या न होने पर अयोध्या जाने वालीं कुछ स्पेशल ट्रेनें निरस्त कर दी गई हैं। इनका संचालन चार से 12 जनवरी तक होना था। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल ने चार से 12 जनवरी तक चलने वाली गाड़ी संख्या 04251 प्रयाग–अयोध्या कैंट, 04252 अयोध्या कैंट–प्रयाग, 04253 प्रयाग–अयोध्या कैंट एवं 04254 अयोध्या कैंट–प्रयाग को निरस्त कर दिया है। इसके पहले पूर्वोत्तर रेलवे ने भी माघ मेला को लेकर चलाई जाने वाली कुछ ट्रेनें शनिवार को ही निरस्त कर दी थीं।

इमामगंज को हराकर बिहरिया की खिताबी जीत, अनूप बने हीरा

प्रयागराज। कस्बा के जहीदपुर मोहल्ले में आयोजित जेडपीएल कप क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रविवार को खेला गया। इससे पहले दो सेमीफाइनल मैच हुए। जिनमें प्रतापगढ़ की सफीर इलेवन बिहरिया ने सैफाबाद को हराया। जबकि इमामगंज ने होलागढ़ को मात दी। दोनों टीमों के बीच फाइनल खेला गया। जहां बिहरिया ने खिताबी जीत हासिल की।

फाइनल में इमामगंज की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित आठ ओवर में 66 रन बनाए। बिहरिया के गेंदबाज बिट्टू ने 17 रन देकर चार विकेट झटके। जवाब में बिहरिया टीम के सलामी बल्लेबाज अनूप तिवारी व अजय भाटिया ने 6.1 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। अनूप जीत के हीरो बने।

कमेंट्री अफजल इलाहाबादी और अखिलेश मिश्र ने की। निर्णायक की भूमिका अंसार अहमद और दानिश नेहाल ने निभाई। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष के पति ने कहा क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, कस्बे में खेल मैदान की सख्त जरूरत है। विजेता टीम बिहरिया को 51 हजार रुपये नकद और ट्रॉफी भेंट की गई। जबकि उपविजेता इमामगंज को 31 हजार रुपये व ट्रॉफी प्रदान की गई। मैन ऑफ द सीरीज बिहरिया के अनूप तिवारी को मिला। टूर्नामेंट के आयोजक कमाल अरशद ने आभार जताया। इस अवसर पर रिजवान फारूकी, अदनान फारूकी, मो. अरशद, कामरान अहमद, नफीस अहमद, फहीम उद्दीन, राहुल गुप्ता, राजाबाबू, राधेश्याम पटेल आदि मौजूद रहे।

सड़कों पर स्ट्रीट लाइट फिर भी न दूर हो सका अंधेरा

प्रयागराज। माघ मेले का प्रथम पुण्य स्नान बीत चुका है लेकिन प्रयागराज–अयोध्या हाईवे शिवगढ़ से लेकर मऊआइमा तक कई जगहों पर स्ट्रीट लाइट नहीं जल सकी। जबकि इसी रास्ते से सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अयोध्या, बस्ती और अंबेडकरनगर समेत अन्य जिलों के श्रद्धालु माघ मेला में पहुंचेंगे। कोहरे के कारण कई बार दृश्यता शून्य होने से वाहन चालकों को मुश्किल होती है। बावजूद इसके हाईवे पर स्ट्रीट लाइट नहीं जलाई गई। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों के साथ ही टोल फ्री नंबर पर भी शिकायत दर्ज कराई लेकिन आज तक सड़कों से अंधेरा न दूर हो सका। प्रयागराज–अयोध्या राजमार्ग को पांच वर्ष पूर्व शिवगढ़ से भुपियामऊ तक हाईवे की मेंटीनेंस की जिम्मेदारी जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड को दी गई। हाईवे पर आवागमन के साथ स्ट्रीट लाइट से चौराहे जगमग हो गए। लेकिन, कुछ ही दिन बाद ही कार्यदायी संस्था की लापरवाही से स्ट्रीट लाइट बंद हो गई। लोगों का कहना है कि मऊआइमा चौराहे पर लगी स्ट्रीट लाइट विगत छह महीने से खराब पड़ी है। कोहरे में सबसे ज्यादा परेशानी होती है। सड़कों पर छुट्टा मवेशियों का जमावड़ा भी सड़कों पर होता है। उन्हें न देख पाने की स्थिति में हादसे की संभावना रहती है। माघ मेला शुरू हो गया है। इसके चलते वाहनों का आवागमन भी बढ़ा है। अगर स्ट्रीट लाइट नहीं जली तो लोगों को परेशानी होगी। क्षेत्र पंचायत सदस्य ऋषि प्रजापति, तारकेश्वर सिंह, अजय जायसवाल, संजीव जायसवाल, कलीम अल्ताफ ने बताया कि टोल फ्री नंबर पर भी कई बार शिकायत दर्ज कराई गई। लेकिन, कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकला। स्थानीय लोगों ने इसे लेकर एमएलसी सुरेंद्र चौधरी व क्षेत्रीय सांसद प्रवीण पटेल को शिकायती पत्र देकर समस्या के समाधान कराए जाने की मांग की है। हाईवे पर लगी स्ट्रीट लाइट की खराबी गंभीर मुद्दा है। इसे लेकर एनएचएआई के अफसरों से बात की जाएगी। माघ मेले के देखते हुए स्ट्रीट लाइट जल्द से जल्द जलाई जाएंगी। – सुरेंद्र चौधरी, एमएलसी।

उल्दा इलेवन ने 71 रन से जीता मैच

प्रयागराज। शृंग्वेरपुर धाम के मलाक बलऊ बिछिया में रविवार को जय मां काली क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच उल्दा इलेवन और चकिया क्लब के बीच खेला गया। जिसमें उल्दा की टीम ने 71 रन से मैच जीत लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उल्दा इलेवन की टीम ने 12 ओवर में सात विकेट खोकर 163 रन बनाए। जवाब में चकिया की टीम महज 92 रन ही बना पाई।

राधा माधव संगीत कला केंद्र के सितारों ने पंजाब जालंधर में जीत का परचम लहरा कर मुजफ्फरनगर का नाम रोशन किया

मुजफ्फरनगर। साकेत कॉलोनी स्थित राधा माधव संगीत कला केंद्र की निर्देशिका श्रीमती विनीता गोयल जी ने बताया की डांस स्पोर्ट्स काउंसिल आफ इंडिया और डांसिंग लायंस स्कूल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट एवं डांस स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ़ पंजाब की तरफ से 12वीं नेशनल सिंगिंग, इंस्ट्रूमेंट, पेंटिंग, मॉडलिंग डांस स्पोर्ट्स चौंपियनशिप 2025–26 जालंधर डीएवी यूनिवर्सिटी में 4 जनवरी 2026 को आयोजित की गई।

इसमें मुजफ्फरनगर के 20 बच्चों ने प्रतिभाग लिया राधा माधव संगीत कला केंद्र एवं शारदेन स्कूल की मात्र 4 साल की छात्रा सूचीस्मिता ने इंस्ट्रूमेंट में अंडर 6 मे प्रथम स्थान, सिंगिंग में अबोव 13 मान्या वर्मा, मनोहर लाल,निशा मलिक ने प्रथम स्थान, अंडर 13 में प्रांशी ने प्रथम स्थान एवं कृषा त्यागी ने द्वितीय स्थान,डांस में सूचीस्मिता ने अंडर 6 में प्रथम स्थान, आदया कुच्छल ने द्वितीय स्थान, 10–13 में रिहंशी फुलारा ने प्रथम स्थान,ओजस्विनी पुंडीर ने द्वितीय स्थान, गौरी कुच्छल एवं प्रांशी भाटी ने तृतीय स्थान, डुएट डांस कैटेगरी में आराध्या त्यागी एवं कृषा त्यागी ने देश भक्ति गीत पर डांस कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रोग्राम को सफल बनाने में श्री सतीश जी एवं श्रीमती लता जी, श्री इक्यांश कुच्छल एवं श्रीमती नूपुर कुच्छल जी, श्रीमती रिशु त्यागी जी, श्री वीरेंद्र भाटी एवं श्रीमती रीना भाटी जी, श्री योगेश चंद्र एवं श्रीमती शोभा शर्मा जी एवं डांस कोरियोग्राफर अपर्णा गोयल,मानसी गोयल,नोबित का पूर्ण सहयोग रहा।

अखिल भारतीय समाचार–पत्र एसोसिएशन ने रवीन्द्र कुमार शर्मा को नियुक्त किया बिहार राज्य का अध्यक्ष

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय समाचार–पत्र एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश चन्द्र शुक्ल ने बिहार राज्य पुनर्गठन एवं विस्तरण के क्रम में हिंदी मासिकष्लोक चिन्तनष के सम्पादक

रवीन्द्र कुमार शर्मा को बिहार राज्य अध्यक्ष संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और कार्य समर्पण को दृष्टिगत रखते हुए घोषित किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा है कि रवीन्द्र कुमार शर्मा द्वारा बीते वर्षों में बिहार राज्य में संगठन का विस्तार कर संगठन के संवर्धन हेतु राज्य में अपना सराहनीय योगदान किया और हम आशा करते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष के रूप में अपनी नव गठित टीम के साथ संगठन को और अधिक सशक्त एवं नया स्वरूप प्रदान करने में अपेक्षित सफलता प्राप्त करेंगे। एसोसिएशन की ओर से हमारी शुभकामनायें सदैव इनके साथ हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यपाल कल्याण सिंह की जयंती मनाई गई

लखनऊ। दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान के दारुलशफा स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में पूर्व मुख्यमंत्री एव पूर्व राज्यपाल जननायक कल्याण सिंह की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित करके विनम्र श्रद्धांजलि दी गई और उनके व्यक्तित्व,

हिंदुत्व के प्रति समर्पण और उनकी अद्भुत प्रशासनिक क्षमता को स्मरण किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण मिश्र, वरिष्ठ नेता जी डी शुक्ला,महामंत्री गोपाल जी शुक्ला व पी के मिश्रा, व निखिलेश सिंह, कोषाध्यक्ष जवाहर सिंह, अध्यक्ष युवा प्रभाग अनिल शुक्ला, आर के छारी, सच्चिदानंद राय, अभिनव अस्थाना, अशफ़ाक उल्लाह खान वरिष्ठ अधिवक्ता राजेश उपाध्याय, प्रमिला द्विवेदी, संजय सिंह एवं सुधांशु श्रीवास्तव सहित प्रतिष्ठान के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अखण्ड आर्यावर्त महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी का मनाया गया जन्मदिन

लखनऊ, संवाददाता। अखंड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि कुमार त्रिवेदी के जन्मदिवस पर आज यहां इंटीग्रल यूनिवर्सिटी, कुर्सी रोड के समक्ष स्थित उनके आवास पर तहरी भोज का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिनमें प्रमुख लोगों में राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, प्रवक्ता बाबा महादेव, प्रदेश अध्यक्ष चन्द्र मौलि शुक्ल, अरविंद मिश्रा, श्रीराम तिवारी, प्रकाश श्रीवास्तव, शिव पूजन दीक्षित शामिल रहे।

अलमासपुर चौक पहुंचकर चेयरमैन मीनाक्षी स्वरूप ने किया नाला निर्माण का निरीक्षण

85 लाख की लागत से वार्ड 14 में अलमासपुर चौक से कूकड़ा चौक तक नगरपालिका द्वारा बनाया जा रहा नाला

मुजफ्फरनगर। शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के लिए नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है। सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष ने अलमासपुर चौक पर चल रहे नाला निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को बारीकी से परखा और स्पष्ट किया कि मानक के विपरीत कार्य होने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

शहर में जल निकासी के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने के प्रयासों के तहत नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप सोमवार को वार्ड–14 में अलमासपुर चौक से कूकड़ा चौक तक बनाए जा रहे नाले के निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण करने पहुंचीं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता, मानक, तकनीकी और सुरक्षा नियमों के अनुपालन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

नगरपालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने मौके पर निर्माणाधीन संरचना में लगाई जा रही सरिया और सामग्री की जांच की। स्थानीय नागरिकों से भी संवाद करते हुए निर्माण कार्य की जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरिया मानक के अनुरूप ही लगाया जाए तथा

निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या निम्नस्तरीय सामग्री बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने इंजीनियरों को निर्देशित किया कि नाले की मजबूती, ढलान, जल–निकासी व्यवस्था तथा सुरक्षा मानकों पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से स्थायी निजात मिल सके।

निरीक्षण के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष ने निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों तथा ठेकेदार को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहाकृकि जनता के हितों के लिए हो रहे विकास कार्यों में पारदर्शिता, मजबूती और मानक सर्वोपरि हैं। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाई गई तो संबंधित जिम्मेदारों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शहर के विकास में गुणवत्ता ही हमारी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्य की नियमित निगरानी की जाए और किसी भी समस्या पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। नाले के निर्माण को लेकर स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि लंबे समय से चली आ रही जलभराव की समस्या से अब राहत मिलेगी। निरीक्षण के दौरान कई क्षेत्रवासियों ने अपनी समस्याएं भी बताई, जिन पर अध्यक्ष ने समाधान का आश्वासन दिया।

अधिशासी अधिकारी डॉ. प्रज्ञा सिंह ने बताया कि नगरपालिका के निर्माण विभाग से वार्ड 14 में अलमासपुर चौक से कूकड़ा चौक तक बन रहा यह नाला 15वें वित्त आयोग की निधि से 85 लाख रुपये की लागत में तैयार किया जा रहा है। बताया कि आज पालिकाध्यक्ष द्वारा किये गये निरीक्षण के दौरान मिले दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित कराने के साथ ही नाला निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान नगरपालिका अध्यक्ष के साथ वार्ड 14 के सभासदपति राहुल पंवार, नगर पालिका ईओ डॉ. प्रज्ञा सिंह, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अजय प्रताप शाही, सहायक अभियंता निर्माण नैपाल सिंह सहित संबंधित विभागीय अधिकारी और ठेकेदार मौजूद रहे।

प्रकृति के रंग विषय पर एकल प्रदर्शनी का नई दिल्ली स्थित गैलरी नं. 1 में ललित कला अकादमी रविन्द्र भवन मंडी हाउस में हुआ आयोजन

मुजफ्फरनगर। सोमवार को डी ए वी इण्टर कॉलेज मुजफ्फरनगर के चित्रकला प्रवक्ता प्रवीण कुमार सैनी द्वारा सृजित चित्रों की एकल प्रदर्शनी प्रकृति का सौंदर्य ष्ठमंनजल वि छंजनतमष का आयोजन गैलरी दव 1 ललित कला अकादमी रविन्द्र भवन मंडी हाउस नई दिल्ली में हो रहा है। जिसका उदघाटन आधुनिक कला दीर्घा जयपुर हाउस नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो0 संजीव किशोर गौतम एवम तत्कालीन जिला अधिकारी मुजफ्फरनगर तथा पूर्व आयुक्त चित्रकूट धाम उत्तर प्रदेश के दिनेश कुमार सिंह,सेवानिवृत आई ए एस उत्तर प्रदेश सरकार

संस्कार भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री अभिजीत गोखले, निर्मल रतन लाल वैद अध्यक्ष परिधि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो संजीव किशोर गौतम जी ने कहा कि प्रवीण सैनी के चित्र सुन्दर और मनमोहक के साथ साथ एकेडमिक स्तर की है।

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध कला समीक्षक तथा चित्रकार

वेदप्रकाश भारद्वाज ,नवल किशोर, डॉ, संजय साहनी, सुप्रसिद्ध छायाकार बिजेंद्र कुमार , शिल्पकार डॉ रामबली प्रजापति, सुप्रसिद्ध चित्रकार और चिकित्सक डॉ संजय धवले, ग्वालियर, प्रदीप दीक्षित जी ग्वालियर, कृष्ण मित्तल , जयदेव सिंघल, कर्मण्य संस्था ,हल्द्वानी से जगदीश पाण्डेय, संभल उत्तर प्रदेश से डॉ ममता राजपूत संभल, प्रमोद जैन संदीप सैनी प्रसिद्ध शिल्पकार प्रदीप सैनी प्रांजल सैनी, नेहा यादव ,आदि उपस्थित रहे। संचालन , देवेन्द्र खन्ना द्वारा तथा सभी अतिथियों का आभार प्रवीण सैनी द्वारा किया गया और कहा कि मेरे चित्र मेरे मन की भावनाएं है जो कि प्रकृति चित्रों के माध्यम से उजागर हुई है। जहां हम सांसारिक प्रदूषण ओर मानसिक प्रदूषण से जूझ रहे हैं वहीं मेरी कला कृतियां सकून महसूस कराती हैं।

सैनी ने बताया कि इस प्रदर्शनी में जल रंग एक्रेलिक,माध्यमों से कागज तथा केनवास पर बने चित्र प्रदर्शित किए गए है तथा यह प्रदर्शनी 5 जनवरी 2026 दिन सोमवार से 10 जनवरी तक दर्शकों के लिए अवलोकन हेतु सुबह 11 बजे से सायं 7 बजे तक खुली रहेगी।

भारतीय संस्कृति एवं परम्परा सम्पूर्ण विश्व में सर्वश्रेष्ठ एवं अतुलनीय– न्यायमूर्ति (पू.) सुधीर नारायण

प्रयागराजसपरिसरीय सभागार में आज केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं प्रयाग विद्वत्परिषद् के संयुक्त तत्त्वावधान में पञ्चदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारम्भ परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का शुभारम्भ मंगलाचरण एवं कार्यक्रम के मुख्यातिथि प्रो. आचार्य सत्यकाम, कुलपति, राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज, सारस्वताथि डा. वेंकट रामनाथन,समन्वयक, भारतीय ज्ञान परम्परा केन्द्र, आई.आई.टी., बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान देने वाले इलाहाबाद उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण के करकमलों द्वारा दीपप्रज्ज्वलन के साथ हुआ।

कार्यक्रम के सारस्वतातिथि डा. वेंकट रामनाथन ने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परम्परा में नवीन शोध कार्यों की अपार सम्भावनाओं को खोजने हेतु आयोजित की जाने वाली इस कार्यशाला को अतिमहत्वपूर्ण बताया। मुख्यातिथि प्रो. आचार्य सत्यकाम ने भारतीय ज्ञान परम्परा की समृद्धता से उपस्थित जनों का परिचय कराया। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा को ऐसी गंगा के रूप में परिभाषित किया जिसमें विभिन्न ज्ञान रूपी नदियाँ समाहित हो रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने इस कार्यशाला को औपचारिक शोध के साथ साथ शोध की असीमित संभावनाओं को अन्वेषित करने का माध्यम बताया। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा में अनुसंधान आरम्भ करने से पूर्व अनुसंधान के औचित्य को विशेष रूप से निर्धारित करने की आवश्यकता बताई।

कार्यक्रम में भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान हेतु माननीय न्यायमूर्ति श्री सुधीर नारायण, भूतपूर्व न्यायमूर्ति, इलाहाबाद विश्वविद्यालय का विशेष अभिनन्दन किया गया। माननीय न्यायमूर्ति(पूर्व) श्री सुधीर नारायण ने भारतीय ज्ञान परम्परा के क्षेत्र विष्णुसहस्रनाम के प्रत्येक श्लोक की चित्रमय प्रस्तुति का उल्लेख करते हुए उपस्थित विद्वतजनों के समक्ष अपनी पुस्तक हेतु किये गये प्रयोगों से परिचित कराया। उन्होंने भारतीय संस्कृति एवं परम्पराओं को सम्पूर्ण विश्व में सर्वश्रेष्ठ एवं अतुलनीय बताया।

समस्त अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत उक्त कार्यक्रम के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे ने करते हुए भारतीय ज्ञान परम्परा के विषय में सभी को योगदान देने हेतु आमंत्रित किया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेताया कि भारतीय संस्कृति और ज्ञान के प्रति उदासीनता रहने वाले व्यक्ति को भविष्य में स्वयं को ही जवाब देना होगा। कार्यक्रम के अन्य संयोजक वरिष्ठ पत्रकार एवं समन्वयक, प्रयागराज विद्वत परिषद् पण्डित वीरेन्द्र पाठक ने महर्षि भरद्वाज के जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित इस कार्यशाला को महर्षि भरद्वाज के विषय में विस्तार से जानने, समझने एवं अनुसरण करने का अद्वितीय अवसर बताया। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी को विशेषतरू धन्यवाद दिया तथा माननीय न्यायमूर्ति(पू.) श्री सुधीर नारायण के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यशाला के सहसंयोजक डॉ. यशवन्त कुमार त्रिवेदी ने किया। इस अवसर पर प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस", प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुरेश पाण्डेय, श्री संजय कुमार मिश्र, श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री अंकित मिश्र, सुश्री अश्विनी लंके, श्री रामसुरेश तिवारी परिसरीय अन्य कर्मचारी एवं अधिकारीगण तथा देश के विभिन्न प्रान्तों से कार्यशाला में भाग लेने वाले छात्र–छात्राओं के साथ अन्य शोध छात्र–छात्राएँ समुपस्थित रहे।

बारिश होती एक सी

(कुण्डलिया)

ख़ामोशी का सौन्दर्य, विमल भाव का ज्ञान।
फूल सिखाते मौन रख, सबको दे मुस्कान।
सबको दे मुस्कान, सुवासित जग को करके।
भरते विमल विचार, चेतना उद्गम बनके।
सुन लो कहें प्रदीप, भक्त हो या फिर योगी।
रहते सबके साथ, मगर रखकर ख़ामोशी।।

फूलों के संसार का, रीति रिवाज प्रसंग।
सुन्दरता से भी अधिक, है आध्यात्मिक रंग।
है आध्यात्मिक रंग, मधुरता भरे गुलाबी।
ऊर्जा अरु उत्साह, साथ लाती नारंगी।
सुन लो कहें प्रदीप,बैंगनी पंखुरियों के।
पीला लाल सफेद,मायने हैं फूलों के।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

घाट की तलाश में घाट–घाट भटक रहे कल्पवासी

आस्था पर भारी पड़ रही प्रशासन की उदासी

सड़क शौचालय सफाई व्यवस्था केवल मेला प्रशासन की फाइल में कैद

प्रयागराज। आस्था का महापर्व प्रयागराज माघ मेला शुरू हुए लगभग एक सप्ताह होने वाला है किंतु व्यवस्था में इतनी कमियां हैं कि कल्पवासी और श्रद्धालु स्नान घाटों की तलाश में घाट घाट भटक रहे हैं और मेला प्रशासन की उदासीनता आस्था पर भारी पड़ रही है। उल्लेखनीय है कि पुल नंबर दो और तीन सदैव से ही माघ मेले में अति महत्वपूर्ण रहे हैं किन्तु इस बार गंगा पार पूर्वी तट पर स्नान घाटों का निर्माण समाचार लिखे जाने तक नहीं किया गया है ऐसे में कल्पवासी संत महात्मा और श्रद्धालु गणों को भारी असुविधाओं का सामना करना पड़ रहा है। पुल नंबर दो त्रिवेणी मार्ग पर सभी सम्मानित शंकराचार्य एवं प्रमुख संतों को स्थान दिया गया है किंतु अभी तक वे वांछित सुविधाएं नहीं मिल पाने से असंतुष्ट लग रहे हैं। संत महात्माओं के शिविर में रहने वाले कल्पवासियों और श्रद्धालु भक्तों को स्नान करने एक नंबर पुल पर अथवा चार नंबर पुल पर बहुत दूर जाना पड़ता है। पुल नंबर दो और तीन से गंगा के समीप संपर्क मार्ग भी आनन फानन में केवल खाना पूर्ति के लिए बना दिए गए हैं जिन पर कीचड़ और उखड़ी हुई चकर्ड प्लेटें यत्र तत्र दुर्घटना को दावत दे रही हैं। आश्चर्यजनक तो यह है कि मेला प्रशासन द्वारा दो और तीन नंबर पुल पर पूर्वी भाग में स्नान घाटों को बनाने में कोई रुचि नहीं दिखाई पड़ती है। अतीत में इन दोनों पुलों पर घाटों की इतनी घोर उपेक्षा कभी नहीं देखी गई थी। आज इस पर बैरिकेडिंग भी कर दी गई है जिसके कारण कल्पवासी और श्रद्धालु निराशा जताते हुए दुखी हैं। शौचालय सफाई और सड़क निर्माण में भी कोई प्रगति नहीं हुई है जबकि इन दोनों पुलों पर उपरोक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने में विगत वर्षों में इस तरह उपेक्षा नहीं की गई थी। लोगों ने अविलंब माघ मेला प्रशासन का ध्यान इस ओर आकर्षित करते हुए आशा व्यक्त की है कि कल्पवासियों और श्रद्धालुओं को सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

प्रयागराज नाट्य समारोह में नाटक हंस गीत तथा मां मुझे टैगोर बना दो का शानदार मंचन संपन्न

प्रयागराज। आज उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के प्रेक्षागृह में तीन दिवसीय प्रयागराज नाट्य समारोह का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक सुदेश शर्मा एवं संस्कार भारती काशी प्रांत के संगठन मंत्री दीपक शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया । संस्था के उपाध्यक्ष चित्रकार रवीन्द्र कुशवाहा सचिव सुशील कुमार राय एवं अविचल द्विवेदी ने स्मृति चिन्ह एवं अंग वस्त्र से अतिथियों का स्वागत किया। संचालन योगेंद्र मिश्रा विश्वबंधु ने किया । आयोजन साइंटिफिक एंपावरमेंट एंड डेवलपमेंट ऑफ़ सोसाइटी प्रयागराज का रहा।

समारोह की प्रथम संध्या में दो नाटकों हंस गीत तथा मां मुझे टैगोर बना दे का मंचन हुआ। प्रथम प्रस्तुति हंस गीत का मंचन समन्वय रंग मंडल के कलाकारों द्वारा किया गया कहानी प्रसिद्ध रूसी कहानीकार एंटन चेखोव की कहानी का नाट्य रूपांतरण हरिप्रिया कथा तथा नाट्य विस्तार, परिकल्पना एवं निर्देशन सुषमा शर्मा का रहा।

कहानी हंसगीत जहां रंगकर्मी शिवकांत अपने जीवन संघर्ष को दर्शकों के सामने व्यक्त करत है युवा शिवाकांत की भूमिका में चंकी बच्चन और उनकी प्रेमिका शालिनी की भूमिका में सोनम सिंह ने प्रभाव छोड़ा। प्रॉम्पटर हरिचरन की भूमिका में विजय अहिरवार ने मुख्य कलाकार शिवकांत का साथ बखूबी दिया युवा रंग कर्मियों की भूमिका में दीपक (दीपेंद्र सिंह) और राहुल (अर्णव राय)रहे। पार्श्व मंच में प्रशांत वर्मा का पार्श्व संगीत, परिकल्पना टोनी सिंह, वस्त्र विन्यास मीना उरांव, रूप सज्जा हामिद, मंच सामग्री अर्णव राय तथा दीपेंद्र सिंह तथा मंच निर्माण विजय अहिरवार तथा चंकी बच्चन का रहा । हंस गीत के शानदार निर्देशन में निर्देशिका सुषमा शर्मा सफल रहीं।

दूसरी प्रस्तुति में मां मुझे टैगोर बना दे पंजाबी कहानीकार स्वर्गीय मोहन भंडारी की मेनू टैगोर बना दे पर आधारित है यह कहानी एक मजदूर के बच्चे के जीवन पर आधारित है जो शिक्षा के लिए संघर्ष कर रहा है वह टैगोर के साहित्य से प्रेरित हो टैगोर जैसा कवि बनना चाहता है। अंत में वह एक शिक्षक बनके अपने गांव के बच्चों को शिक्षित करता है तथा उन्हें टैगोर व अब्दुल कलाम बनने की प्रेरणा देता है। नाटक के निर्देशक व एकल अभिनेता लकी गुप्ता का यह 1769वां शो व मंचन था जिसका दर्शकों ने जोरदार तालियों से अभिनंदन किया।

उत्तर मध्य रेलवे
ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 26/63 दिनांक : 02.01.2026
भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक, उ0म0रे0, प्रयागराज (आई.एस.ओ. 9001:2015 प्रमाणित इकाई) निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्र. सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	निविदा खुलने की तिथि
1	63256063	[illegible]	3430.00 Set	09-FEB-26
2	6325RC05	[illegible]	699.00 Set	09-FEB-26
3	36252717	[illegible]	1008 सेट	28.01.2026

नोट : उपरोक्त सभी ई-प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। [illegible]
14/26 (D)
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

वेनेजुएला पर हमला

पिछले लंबे समय से डोनाल्ड ट्रंप के निशाने पर रहे वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को अमेरिकी हमले के बाद गिरफ्तार करना निस्संदेह, अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का घोर उल्लंघन है। एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण और उसके राष्ट्रपति को गिरफ्तार करके अमेरिका ले जाना अंतर्राष्ट्रीय दादागिरी का दुर्लभ उदाहरण है। उससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि ट्रंप ने ऐलान किया है कि सत्ता परिवर्तन होने तक वाशिंगटन इस लैटिन अमेरिकी देश का संचालन करेगा। यह एक खतरनाक परंपरा है, जिसकी पुनरावृत्ति अमेरिकी महाद्वीप से बाहर होने की आशंका भी बलवती हो सकती है। इसमें दो राय नहीं कि निकोलस मादुरो के पतन के बाद वेनेजुएला में मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। अंतर्राष्ट्रीय साजिशों से मादुरो को लगातार खलनायक बनाने की कोशिशों में एक वैश्विक तंत्र लगा हुआ था। वैसे आरोप मादुरो पर लगे कि उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को खोखला किया, असहमतियों को कुचला और लाखों लोगों को निर्वासन के लिये मजबूर किया। उन पर चुनाव में धांधली और मादक पदार्थों की तस्करी के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन वैश्विक कूटनीति के जानकार मानते हैं कि ट्रंप के इस दांव का लक्ष्य तानाशाही के पीड़ितों को न्याय दिलाने या इस देश की संप्रभुता की रक्षा के बजाय वेनेजुएला के समृद्ध तेल भंडारों पर नियंत्रण हासिल करना ज्यादा रहा है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका द्वारा सैन्य अभियान चलाकर देश से बाहर किसी शासनाध्यक्ष को गिरफ्तार करना तथा वहां की सत्ता को वाशिंगटन से संचालित करना निश्चय ही साम्राज्यवादी सोच का ही पर्याय है। निस्संदेह, इस अमेरिकी निरंकुशता के गहरे भू–राजनीतिक परिणाम सामने आएंगे। यहां तक कि मादुरो का विरोध करने वाले अमेरिका के सहयोगी देश भी, अब मुखर होकर चेतावनी देने लगे हैं। रूस और चीन इस अमेरिकी कार्रवाई को नियम–कानून आधारित वैश्विक व्यवस्था के लिये खतरा बता रहे हैं। वहीं वेनेजुएला के इस घटनाक्रम ने चीन को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं पर अमेरिकी आलोचना को बेअसर करने का भरपूर मौका दे दिया है। जिससे ताइवान की चिंताएं बढ़ सकती हैं। अमेरिका के इस कृत्य ने इराक और अफगानिस्तान में हमले व सेना की तैनाती की यादें ताजा कर दी हैं। ऐसे युद्ध जो अमेरिकी आत्ममुग्धता और अति–आत्मविश्वास से शुरू हुए, लेकिन उनका समापन अपमानजनक विदाई से हुआ। लेकिन इन हमलों के बाद वे देश कभी सामान्य नहीं रह पाए। वहीं ट्रंप की यह दलील कि मादुरो को पकड़ने के लिये चलाए अभियान का खर्च वेनेजुएला के तेल राजस्व से वसूला जाएगा, उसके प्राकृतिक संसाधनों पर अमेरिकी नियंत्रण की मंशा को ही दर्शाता है। वहीं अमेरिका ने यह स्पष्ट नहीं किया कि सुशासन, सुरक्षा के लिये वेनेजुएला की जनता की आकांक्षाओं वाले किस नेता को सत्ता हस्तांतरण किया जाएगा। भारत भी उन देशों में शामिल है, जिन्होंने घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त की है। जो सही मायनों में भविष्य की वैश्विक चिंताओं के अनुरूप ही है। बहरहाल, देर–सवेर ट्रंप को अहसास होगा कि एक निरंकुश शासक को हटाना आसान है, लेकिन उस देश में दीर्घकालिक शांति–स्थिरता सुनिश्चित करने के लिये गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है।

भारत-कनाडा व्यापार संबंधों की सफलता में इंडो-कनाडियन समुदाय की भूमिका

मनिंदर सिंह गिल

भारतीय निर्यात पर इसके विपरीत प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए आवश्यक हो गया कि वह अन्य बाजारों में अवसर खोजे और इसी के परिणामस्वरूप कुछ देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) किए गए।

अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा इस साल 2 अप्रैल से भारतीय उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल खरीदने के कारण उतना ही अतिरिक्त 'जुर्माना' भी लगाया गया, जिससे कुल टैरिफ बढ़ कर 50 प्रतिशत हो गया। भारतीय निर्यात पर इसके विपरीत प्रभाव को देखते हुए भारत के लिए आवश्यक हो गया कि वह अन्य बाजारों में अवसर खोजे और इसी के परिणामस्वरूप कुछ देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) किए गए। इन्हीं में कनाडा भी एक है जिसके साथ एफ.टी.ए. के लिए बातचीत चल रही है। कनाडा सरकार ने भारत–कनाडा मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) पर जनता की राय लेने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। मगर भारत विरोधी वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यू. एस.ओ.) और दूसरे खालिस्तानी संगठन एफ.टी.ए. के खिलाफ प्रचार कर रहे हैं ताकि वह पटरी पर न चढ़ सके। हमारे संगठन फ्रैंड्स ऑफ कनाडा एंड इंडिया फैडरेशन ने एफ.टी.ए. के समर्थन में कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार के मंत्री मनिंदर सिद्धू को एक पत्र लिखा है, हम पूरे कनाडा में रेडियो और टी.वी. के जरिए लोगों को इसका समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, इससे डायस्पोरा (कनाडा में रहते भारतीय) को मदद मिलेगी। सबमिशन की आखिरी तारीख 27 जनवरी है। पत्र में हमने लिखा है–हमें यह जानकर खुशी हुई कि भारतीय व्यापार मंत्री श्री पीयूष गोयल के नेतृत्व में भारतीय व्यापार मिशन नए साल में ओटावा का दौरा कर रहा है। भारत और कनाडा दो ऐसे समाज हैं, जिनकी लोकतंत्र, बहुलता और नियम–आधारित व्यवस्था के

प्रति सम्मान की सांझी विरासत है, जो इन दोनों देशों को स्वाभाविक सहयोगी बनाती है। दोनों देशों के हित आर्थिक क्षेत्र में भी मिलते हैं। आपसी हितों की यह बैठक व्यापक आध्थक सांझेदारी समझौते (सी.ई.पी.ए.) के सफल निष्पादन में बदलनी चाहिए। सरकारें इस बात से अच्छी तरह वाकिफ हैं कि यह सांझेदारी तेल और गैस, खनिज और कृषि जैसे क्षेत्रों में किस मैक्रोइकोनॉमिक पैमाने पर पहुंच सकती है, जहां व्यापार में +25 बिलियन से बढ़ाकर +50 बिलियन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा गया है। भारत और कनाडा के संबंध खास हैं क्योंकि हमारे लोगों के बीच मजबूत संबंध हैं। इंडो–कनाडियन समुदाय की जड़ें कनाडा में 1887 से हैं। इंडो–कनाडियन समुदाय दोनों देशों के बीच एक जीवित पुल की तरह है। सफल और साधन संपन्न इंडो–कनाडियन समुदाय को माइक्रोइकोनॉमिक स्तर पर इस आर्थिक सांझेदारी में विकास के इंजन के रूप में देखा जाना चाहिए। 'लोगों का नैटवर्क' दोनों देशों के बीच व्यापार के अवसरों के लिए नए रास्ते खोल सकता है, जिनकी अन्यथा कल्पना नहीं की जा सकती। इंडो–कनाडियन समुदाय इस समझौते में एक महत्वपूर्ण हितधारक है और दोनों सरकारों को सामुदायिक संगठनों द्वारा भागीदारी और निरंतर जुड़ाव को प्रोत्साहित करना चाहिए।

आधुनिक युग की बदलती जीवनशैली

इसमें जीवनशैली के जीवनकर्म की निम्न स्तरीय मानसिकता के मौजूद रहने से कदापि इंकार नही कर सकते है । आज के कुछ युवाओ में नशे की गलत लत की मानसिकता कूट कूट कर भरी है । वे शौक पालकर आधुनिक युग में शिकार हो गए है, इस शिंकजे में जकड़े है । मांगलिक शुभघड़ी, उत्सव तीज त्योंहार,शादी विवाह, या फिर नववर्ष के आगमन का आगमन या पुराने वर्ष के विदाई पर नशे से खुशी को खोजते है यानि

अब नशेड़ी बनकर जमकर मस्ती आंनद में ऐसे युवाओं की अवस्था अनियन्त्रित है । खासकर भटकते युवाओं को

नए वर्ष पर नशे के उत्साह मस्ती के आनंद में गोता लगाना कहाँ तक आंनद का का अनुभव कराता है । नए वर्ष में नशे

की लत त्यागने का संकल्प लेने के बजाय जीवन को

नशे में अंधकार की तरफ धकेलते है । नए वर्ष पर नई सकारात्मक सोच में नई राह में ढ़ंढने में आज युवाओं पर अधिक भरोसा है । वे विपरीत नशे को सुखदायक घुंटी पीने में मग्न है। उसी बुरी लत में बुरे फंसे है। यह हालात युवाओं को जबकि नकारात्मक राह ही दिखा रही है। युवा को समझना चाहिए कि शारीरिक मानसिक शक्ति कमजोर करने का कारण नशा ही है। नई सकारात्मक सोच से युवा भटककर जीवन का बहुमूल्य समय गंवा रहे है । नए वर्ष के नाम पर फिजूलखर्ची कार्यक्रम में खुद को खो रहें है,

फिर भी युवा न जाने क्यों मौन क्यों अचेत है ?

नए वर्ष में नए सिरे से जीवनकर्म की खुशी बांटे न कि गलत संगत में स्वयं को धकेलने में लगा रहे । नशा की चाहत में डुबा नाश ही नही सर्वनाश कर बैठता है ।

31 दिसम्बर और 1 जनवरी में नए वर्ष में पुराने वर्ष की विदाई और मिलन का दिन एक सीख देता है । यह सीख

नए वर्ष के आगमन में नए संकल्प में नए नए सकारात्मक

कार्यक्रम के संकल्प में सफलता अर्जित करे यह लक्ष्य युवाओं को बखूबी आंनदपूर्वक लेना चाहिए । आंनद के साधन में नशा क्यों? दरअसल युवा लक्ष्य प्राप्ति में दिशाहीन सा भविष्य में भटकता है । नए वर्ष पर नई राह में बढ़ने में अज्ञानी सा है । वर्ष की विदाई पर सजती सँवरती महफ़िल

वह रात खुशी के जश्न में युवा को खुशी में समर्पित जरूर करती है लेकिन उसके जीवन सामाजिक, शिक्षाप्रद, संस्कृति, संस्कार की रक्षा का संदेश ऐसे नजारे में कदापि प्राप्त नहीं होता है। चकाचोंध रंगबिरंगी बिजली मे भविष्य के संस्कृति, संस्कार विहीन जीवनकर्म में दिन गुजारता है । चंद पल के आंनद में न नई सोच, न नई शिक्षा,

नई प्रगतिशील विचारों आदि से वंचित होता है ।

यह युवा के जीवन मे बड़ा बाधक मोड़ होता है । युवाओं में

इस बात की मानसिकता मजबूत हो कि वह नए वर्ष को नई वस्तुओं जैसा समझे उसका मोल समझे । नए वर्ष भी अनमोल उपहार है । इस वर्ष के बाद सीधे अगले वर्ष में रहेंगे । युवा स्वयं विचार करे कि आज का तौर तरीका सामाजिक जीवन में होनहार नही बनाता अच्छी सोच से परे हानिकारक है । इसमें नकारात्मक गलत संदेश की भरमार से विवेकपूर्ण निर्णय से दरकिनार हो । आज लेकिन वही युवाओं में ग्रहण करने की होड़ मची हुई है । युवा सकारात्मक सोच का नशा

अपनाकर आगे बढ़ने की गांठ बांध लें, नकारात्मक सोच का नशा उसकी चाव से ले रहा चुस्कियां लेना पूरी तरह से बंद करे । आज नग्नता मग्नता का फूहड़पन , अशोभनीय परिधान उसकी झलकियां आदि में युवा के दिमाग मे सकारात्मक विचारों का अभाव निश्चित रहेगा । वह उसी में समर्पित उसी उल्लासपूर्ण माहौल में रहने की शान दर्शाता है । इसका समस्त समाजहित में व्यापक कुप्रभाव पड़ता भविष्य की पीढ़ी में सकारात्मक सन्देश कदापि नही दे सकता है आज आधुनिकता में अंधी प्रतियोगिता का बोलबाला है । आलीशान और लुभावना आकर्षक नजारा खासकर युवाओं में ज्यादा आकर्षणों में भरा है । नववर्ष का आगाज बिल्कुल नए नए अंदाज में सूक्ष्म के बजाय बड़े समारोह के रूप में सजते है। कुछ युवा युवतियों के अन्य दर्शको की भीड़भाड़ में नगर से महानगरों में आकर्षक कार्यक्रम की प्रतियोगिता का नया रंग नव वर्ष पर गहरा चढ़ने लगा है कि वह एक ऑफर टिकट में आयेजित होने वाला दिखावटी,आडम्बर का कार्यक्रम बन रहा है । वर्ष विदाई के नाम पर कार्यक्रम को नशे में आयेजित कराना क्या उचित है या ऐसे कार्यक्रम में भाग लेना उचित है।

आज व्यापक तैयारी कार्यक्रम सबसे अहम बात यह दिखती है कि पाश्चात संस्कृति का वर्ष विदाई के दिन चटकीला नया रंग चढ़ा दिया जा रहा है। यह धन, समय शिक्षा और संस्कृति की बर्बादी में सबसे बड़ा रोढ़ा होता है।

शिक्षाप्रद या ज्ञानवर्धक आयोजन के विपरीत फूहड़पन में अश्लीलता की भरमार में अश्लील नृत्यों की बहार, नशे में चकनाचूर युवा युवतियों के अश्लीलता से भरे भोंडे नृत्यों आदि क्या समाज मे हितकारी है इस नई आधुनिकता का असर समाज मे नए वर्ष में एक चिंतनीय विषय है । इसमें

बदलाव की चर्चाओं को तूल देना उस पर जागरूकता बढ़ाना अतिशीघ्रता से मिलकर करने की जिमेवारी है । आज का युवा समाज की तमाम समस्याओं के समाधान में अपनी शक्तियां का सही सदुपयोग करे, कर्मठता दिखाए, स्वयं आगे आये, अपनी नई सोचविचार की प्रबल धारा में समाज को नई प्रगतिशील राह दिखाए, नई राह में नई खुशियों को अर्जित करने में युवाओं को युवाओं के बीच रहकर सकारात्मक सोच में एकजुटता के लिए प्रेरित करने में, नशेड़ियों को नशे से छुटकारा दिलाने, नई ऊर्जा शक्ति में युवाओं को समाज में आगे बढ़ाने की अहम जिमेवारी में गोता लगवाने, समाज मे उत्साह उमंग के सकारात्मक आनंद की मस्ती के कार्यक्रम में समाज संस्कृति संस्कार शिक्षा आदि की नई विचारधारा से बेहतरीन सशक्त विकसित करने, समाज की नई पीढ़ी को नए मार्ग में मार्गदर्शन कराने, शारीरिक मानसिक सृजनात्मक शक्ति को शक्तिशाली करने, भटकते युवाओं को सही समुचित राह दिखाकर आगे बढ़ाने, साहित्यिक लेखन पठन पाठन की परिपाटी से जोड़ने, पुस्तकों की कीमत का अहसास कराने, खेल कूद कलात्मकता आदि के जरिये उनको प्रतिष्ठित कराने आपसी स्नेहप्रेम की विचारधारा से समाज के प्रगतिशील कार्यों में कदम बढ़ाने, बैर भाव के विपरीत भाईचारे के स्वभाव से सुख शान्ति बढ़ाने, आध्यत्मिक जीवन शैली आदि का नया कार्यक्रम प्रारंभ करने की परिपाटी में युवाओं की जिमेवारी ज्यादा है । नए वर्ष की खुशी को मनाने में आधुनिकता के आडंबर भरे सबसे बड़े बाजार में कदमताल रखने के पूर्व उन युवा युवतियों को सभ्यता संस्कृति संस्कार के बाजार को शक्तिशाली करने के प्रति जिमेवारी निभानी है ।

उनको भटकने के बजाय अपनी मानसिक शक्तियों को जागृत करने में स्थिरता लाने का वक्त है। वे एकता में सजगतापूर्वक सफ़लता दिला सकते है देश समाज जाति के प्रगतिशील, विकसित लक्ष्य को सफलता दिलाकर आगे बढ़ सकते है।

नए वर्ष में नई उम्मीद जगाने के नए नए संकल्प ले, नई नई तकनीकि विद्या के प्रचार प्रसार में रोजगार की राह में बेरोजगार को नया पथ दिखाए तभी नए वर्ष में हर्ष की खुशियां झलकेगी।

ललित शर्मा असम

सिर्फ़ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास

(भाग –18)

लेखिका –अतिया नूर

समीर की खुशी देखने लायक़ थी।वह सुधरना चाहता था बहुत पैसे कमाना चाहता था, घर का ज़िम्मेदार बनना चाहता था। उसकी आंखों में भविष्य के खूबसूरत सपने थे, वह बहुत कुछ हासिल करना चाहता था।इस दिशा में मोबाइल शॉप पर बैठना उसका पहला कदम था। उसने अपने दोस्त प्रकाश की अमीरी देखी थी। समीर भी धनवान बनना चाहता था, लेकिन उस बच्चे को यह नहीं मालूम था कि धन कमाने के लिए उम्र के साथ तजुर्बा भी मायने रखता है। प्रकाश के पास अगर धन था तो उसकी उम्र बहुत थी, उसके पास बिजनेस का एक लंबा तजुर्बा था।मोबाइल शॉप के अलावा उसके कई बिजनेस थे।उसके पास बहुत सारी गाड़ियां थीं , जिनमें ट्रक, बस, और कारों का एक बड़ा क़फ़िला था। वह ब्याज पर पैसों का लेनदेन भी करता था।उसे दो का चार करना भली भांति आता था, वह एक मंझा हुआ बिजनेस मैन था, मगर उसकी लालची प्रवृत्ति ने मेरे समीर को बहुत सारे ग़लत सपने दिखाने शुरू कर दिए। वह समीर से घर से पैसे मंगाकर उसे थोड़े बहुत मोबाइल देकर बाक़ी पैसे हड़पने लगा। समीर भोला था, उसकी बातों, उसके जाल में फंसता गया, उलझता गया।

समीर का जीवन यहां से और भी कठिन होने वाला था, उसकी परेशानियां और भी बढ़ने वाली थीं। निःसंदेह समीर के साथ हमारा जीवन भी दुख के सागर में समाने वाला था।

अब समीर रोज ही देर से लौटने लगा। मैं और शेखर कुछ हद तक आश्वस्त थे कि – शायद समीर को दुकान से आने में देर हो जाती होगी।उस दिन लगभग रात ग्यारह बजे समीर वापस आया तो मैंने उसका खाना लगा दिया। समीर बड़ा खुश था। उसने मुझसे कहा कि मां मुझे पूरी एक आलमारी चाहिए, क्योंकि जब मेरे पास पैसे आएंगे तो उन्हें रखने के लिए जगह होनी चाहिए। समीर की बातें सुनकर उसके भोलेपन पर मैं मुस्कुरा उठी। मैंने समीर से कहा कि– ठीक है, तुम्हारे पैसे रखने के लिए मैं जगह बना दूंगी। समीर ने खुशी – खुशी खाना खाया, कुछ देर मोबाइल देखने के बाद सो गया।मैं गहरी नींद में सोते हुए समीर के मासूम और खूबसूरत चेहरे को देर तक निहारती रही।मेरी आंखों में आंसू थे, मैं ईश्वर से प्रार्थना करती रही कि – हे ईश्वर ! मेरे बच्चे के साथ हमारी भी परेशानियां दूर कर दे.....।

इधर कुछ दिनों से मैं महसूस कर रही थी कि – समीर कि आंखे कुछ चढ़ी – चढ़ी सी रहती हैं, वह हर समय स्पष्ट तरीके से बात भी नहीं कर पाता, बात करते समय उसकी ज़बान लड़खड़ाती है। सुबह उठाने पर वह जल्दी नहीं उठ पाता। शेखर तो गुस्से की वजह से कुछ बोले बग़ैर ऑफ़िस चले जाते थे लेकिन मुझे आभास हो गया था कि – कुछ गड़बड़ है , क्या गड़बड़ है यह समझने में मुझे बहुत – बहुत समय लग गया। समीर कभी कभी ड्रिंक करता है, मैं बस इतना ही समझ सकी थी। मैं समीर की इस आदत को छुड़ाने के लिए अपने स्तर पर उपाय ढूंढने लगी। टी वी पर शराब छुड़ाने का विज्ञापन देखकर मैंने वह दवाएं मंगाईं और समीर को खाने – पीने की वस्तुओं में मिलाकर देने का प्रयास करने लगी। खाने का स्वाद बिगड़ा देख समीर बुरी तरह भड़क उठता और उठापटक शुरू कर देता, वह अपने ड्रिंक करने की आदत को सिरे से नकार देता। तब मुझे कहां मालूम था कि समीर केवल ड्रिंक ही नहीं करता बल्कि उसके पैसे लूटने वाले दोस्तों ने उसे और भी बर्बाद कर दिया है। धीरे – धीरे हमें समझ में आने लगा था कि – समीर का दोस्त प्रकाश उसको कुछ सस्ते – महंगे सामन दिलाकर उसके सारे पैसे ऐंठ लेता है। पैसे ऐंठने तक तो बात फिर भी ठीक थी वह तो समीर की कुछ और ही लत लगवा रहा था, लेकिन क्या ? यह तो रहस्य था जो हमें समीर के दुनिया से जाने के बाद ही पता चल सका

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

कांग्रेस ने थरूर को दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया

मनजीत सोढी

पिछले 45 वर्षों से वाम दलों का गढ़ माने जाते त्रिवेंद्रम के नगर निकाय चुनावों में भाजपा की चौंकाने वाली जीत ने जहां भाजपा के प्रवेश की भूमि तैयार कर दी है, वहीं पार्टी की इस जीत ने कांग्रेस पार्टी के असंतुष्ट नेता शशि थरूर की हाल की बेचौन कोशिशों के कारण को दर्शाया है। शायद उनको (थरूर) हवा का रुख बदलने का आभास हो चुका था चूंकि लोकसभा चुनाव (2024) में त्रिवेंद्रम की सीट पर वह बेहद मामूली फर्क से जीते थे। इससे पूर्व लगातार 3 चुनावों में बड़ी जीत दर्ज करने के बाद गत वर्ष वह भाजपा के उम्मीदवार राजीव चंद्रशेखरन को मात्र 12,600 मतों से ही हरा सके थे। संभवतः शहर की सीमाओं के बाहर तटीय इलाकों में रहने वाले आर्थिक रूप से बड़े कमजोर वर्ग के मछुआरों के एकजुट होकर शशि थरूर के पक्ष में मतदान किए जाने की वजह से ही वह जीत पाए थे। शहर के 101 वार्डों में से भाजपा ने 50 पर जीत प्राप्त की, जोकि पूर्ण बहुमत से केवल 1 सीट कम है। हालांकि भाजपा की यह जीत शशि थरूर के लिए खुशी की वजह बनने की संभावना कम ही है। उलटे आने वाले दिनों में स्थानीय (लोकल) सियासी समीकरणों में वह खुद को हाशिए पर पा सकते हैं। निःसंदेह शशि थरूर कांग्रेस पार्टी के एक पुराने, अनुभवी, मृदुभाषी, निष्ठावान व कर्मठ नेता हैं, परन्तु जिस पार्टी ने उनके राजनीतिक करियर को गढ़ा और संवारा, उसी पार्टी के विरुद्ध उनके तथाकथित बयानों, हालिया महीनों के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुले रूप में प्रशंसा के पुल बांधना और तत्पश्चात रूस के राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में आयोजित भोज में शामिल होने के कारण थरूर को अपनी ही पार्टी में एक तरह से अविश्वसनीय बना डाला है। 'आप्रेशन सिंदूर' के बाद के घटनाक्रमों में सरकार के अंतरराष्ट्रीय जनसंपर्क अभियान के अधीन जब शशि थरूर को एक प्रतिनिधि मंडल का नेतृत्व सौंपते हुए विदेशों में भेजा गया, तो उस वक्त कांग्रेस पार्टी को सार्वजनिक रूप से असहज होना पड़ा था। अब जबकि उनके (थरूर) अपने निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा का सितारा चमकने के पूरे आधार बने हुए हैं, तो ऐसे वक्त में शशि थरूर पूर्ण आशा कर सकते हैं कि गत कई महीनों में भारतीय जनता पार्टी के साथ मेल–मिलाप बढ़ाने का उन्हें कोई सियासी फायदा मिलेगा? त्रिवेंद्रम में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए शशि थरूर को राजीव चंद्रशेखरन जैसी मजबूत शख्सियत का मुकाबला करना पड़ेगा। नगर निकाय चुनावों में पार्टी के हैरतअंगेज प्रदर्शन को भाजपा में चंद्रशेखरन की एक बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। त्रिवेंद्रम में बढ़ती हुई वाम–विरोधी लहर व माहौल का सामाजिक लाभ कांग्रेस को ही मिलना था लेकिन थरूर के अपनी ही पार्टी के खिलाफ खुले विद्रोह ने कांग्रेस पार्टी को नुकसान ही पहुंचाया है। कांग्रेस वहां तीसरे स्थान पर रही, जबकि वाम दलों ने मुख्य विपक्षी दल की भूमिका बनाए रखी। राजीव चंद्रशेखरन पिछले कुछ वर्षों से इस संसदीय क्षेत्र को साध रहे हैं, ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा का टिकट प्राप्त कर सकें। देखा जाए तो चंद्रशेखरन के पास साधनों की कोई कमी नहीं है, जबकि शशि थरूर के पास बड़ी पूंजी भाषाई ज्ञान तथा वाकपटुता भर है। देखने वाली दिलचस्प बात यह होगी कि क्या थरूर भाजपा का टिकट पाने में सफल होते हैं या उसकी आंतरिक राजनीति का शिकार हो जाते हैं।

सही मायनों में थरूर को कांग्रेस पार्टी ने एक दोराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। 2026 की शुरुआत में केरल में चुनाव होंगे, जब पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु व असम में भी चुनाव होने हैं। केरल में जहां किसी समय शशि थरूर को कांग्रेस की एक बड़ी ताकत माना जाता था, वहीं अब स्थानीय चुनावों ने सिद्ध कर दिया है कि राज्य में अब उनकी प्रासंगिकता पहले जैसी नहीं रही।

फोटोग्राफर्स के कपड़ों को लेकर जया बच्चन के कमेंट पर भड़के पैपराजी, कहा-हमें पर्सनली बहुत बुरा लगा

एक्ट्रेस जया बच्चन पिछले साल पैपराजी पर किए अपमानजनक बयान को लेकर खूब सुर्खियों में रहीं। उनके बयान की खूब आलोचना हुई। हालांकि, इस साल भी उनके इस बयान की चर्चा हो रही है और इसके लिए उन्हें अभी तक ट्रोल किया जा रहा है। अब हाल ही में मशहूर पैपराजी वरिंदर चावला ने जया बच्चन की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया दी और बताया कि उन्हें पर्सनली एक्ट्रेस की बातें पसंद नहीं आईं। जया बच्चन की पैपराजी को लेकर की गई गंदे कपड़ों वाली टिप्पणी से पत्रकार वर्ग को काफी ठेस पहुंची थी। हालांकि, पत्रकार ही नहीं, कई सेलेब्स भी जया के कमेंट की निंदा करते नजर आए थे। वहीं, हाल ही में वरिंदर चावला ने सिद्धार्थ कन्नन से बात में कहा, श्मेरे कर्मचारियों के बारे में उनकी टिप्पणियों से हमें पर्सनली बहुत बुरा लगा। हम सभी को दुख हुआ। अपनी बात कहने के कई तरीके होते हैं, लेकिन यह सही तरीका नहीं था। इस दौरान उन्होंने बताया कि एक्टर्स ने मीडिया के साथ सीमाएं तय की हैं, उन्होंने कहा, आलिया भट्ट और रणबीर कपूर, रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा और विराट कोहली, इन सभी ने पैपराजी को चाय पर बुलाया और हमसे विनम्रता से रिक्वेस्ट की कि हम उनके बच्चों की तस्वीरें न लें। आज तक, हमने उस रिक्वेस्ट का सम्मान किया है और उनके बच्चों की कभी तस्वीरें नहीं लीं। कैमरामैन के कपड़ों पर जया के कमेंट पर रिएक्ट करते हुए उन्होंने कहा, श्जया जी के घर में कई स्टाफ मेंबर होंगे जो यूनिफॉर्म पहनते हैं। लेकिन पर्दे के पीछे, कौन जानता है कि उनकी फाइनेंशियल हालत या पर्सनल परेशानियां क्या हैं? उनके कमेंट्स सिर्फ फोटोग्राफर्स को ही नहीं, बल्कि इंडस्ट्री में काम करने वाले हर किसी को प्रभावित करते हैं, जिसमें स्पॉट बॉय भी शामिल हैं। यह दिखाता है कि वह आम आदमी को कैसे देखती हैं। सिर्फ फोटोग्राफर वरिंदर चावला ही नहीं, बल्कि कई फोटोग्राफर्स ने इस बारे में बात की कि अगर जया जी नहीं चाहतीं कि हम उनकी तस्वीरें खींचें, तो शायद हमें यह पूरी तरह बंद कर देना चाहिए। बॉयकॉट के तौर पर नहीं, बल्कि बस उन्हें प्यार से बताकर कि हम अब उनकी तस्वीरें नहीं खींचेंगे। हमारे लड़कों ने कभी उनके साथ बदतमीजी नहीं की। वे हमेशा उन्हें इज्जत से जया जी कहकर बुलाते हैं। भगवान जाने वह हर समय इतनी परेशान क्यों दिखती हैं। इवेंट्स में सेलेब्स के लिए पैपराजी को इग्नोर करने के

> “
> जया बच्चन की पैपराजी को लेकर की गई गंदे कपड़ों वाली टिप्पणी से पत्रकार वर्ग को काफी ठेस पहुंची थी। हालांकि, पत्रकार ही नहीं, कई सेलेब्स भी जया के कमेंट की निंदा करते नजर आए थे। वहीं, हाल ही में वरिंदर चावला ने सिद्धार्थ कन्नन से बात में कहा, श्मेरे कर्मचारियों के बारे में उनकी टिप्पणियों से हमें पर्सनली बहुत बुरा लगा। हम सभी को दुख हुआ।

आसान ऑप्शन के बारे में बात करते हुए, पैपराजो ने शेयर किया, श्हर इवेंट में दो एंट्री होती हैं, रेड कार्पेट और बैक एंट्री। अगर आप नहीं चाहते कि आपकी फोटो खींची जाए, तो चुपचाप पीछे के गेट से अंदर आ जाएं। आपकी च्त टीम और इवेंट ऑर्गनाइजर आसानी से आपकी मदद कर सकते हैं। लेकिन अगर आप जानबूझकर रेड कार्पेट पर चलते हैं और फिर हंगामा करते हैं, तो इसका कोई मतलब नहीं है। बता दें, जया बच्चन ने बरखा दत्त से बात करते हुए कहा था कि ये जो बाहर गंदे, टाइट पैंट पहनकर, हाथ में मोबाइल लेकर घूमते हैं, उन्हें लगता है कि सिर्फ इसलिए कि उनके पास मोबाइल फोन है, वे आपकी तस्वीर ले सकते हैं और जो चाहें कह सकते हैं। वे जिस तरह के कमेंट्स करते हैं, कहां से आते हैं, किस तरह की शिक्षा है, क्या बैकग्राउंड है? और ये लोग हमारा प्रतिनिधित्व करेंगे? सिर्फ इसलिए कि वे यूट्यूब या सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कंटेंट अपलोड कर सकते हैं?

कानूनी पचड़े में फंसी केजीएफ स्टार यश की मां, जमीन हड़पने का लगा आरोप

कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश आमतौर पर अपनी फिल्मों और पर्सनलिटी को लेकर चर्चा में रहते हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी मां पुष्पा अरुण कुमार से जुड़ा एक कानूनी मामला है। हाल ही में कोर्ट के आदेश के बाद इस केस में नया मोड़ आया है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। दरअसल, हसन जिले के विद्यानगर इलाके में स्थित एक आवासीय परिसर को लेकर विवाद सामने आया था। इस मामले में जीपीए धारक देवराजू ने यश की मां पुष्पा अरुण कुमार पर करीब 1500 वर्ग फुट जमीन पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया था। शिकायत के मुताबिक, उक्त जमीन पर मालिकाना हक देवराजू का था, लेकिन वहां पुष्पा अरुण कुमार की ओर से एक बड़ा परिसर बनवा लिया गया था। अपनी जमीन वापस पाने के लिए देवराजू लंबे समय से कोर्ट के चक्कर काट रहे थे। आखिरकार अदालत के आदेश के बाद अब शिकायतकर्ता ने अपने कब्जे वाली जमीन को खाली करवा लिया है। यह पहला मौका नहीं है जब यश की मां किसी विवाद के कारण सुर्खियों में आई हों। इससे पहले भी वह एक बड़े धोखाधड़ी मामले की शिकार हो चुकी हैं। उस वक्त पुष्पा अरुण कुमार ने फिल्म प्रमोटर हरीश अरासु के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मामला कन्नड़ फिल्म 'कोथलावाड़ी' के प्रमोशन से जुड़ा था, जिसे पुष्पा के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनाया गया था। शिकायत के अनुसार, फिल्म के प्रमोशन की जिम्मेदारी हरीश अरासु को सौंपी गई थी, जिसमें करीब 2.3 लाख रुपये खर्च होने थे। आरोप है कि प्रमोशन के नाम पर हरीश ने अलग–अलग जगहों से लगभग 24 लाख रुपये इकट्ठा कर लिए। इसके अलावा, प्रिंट मीडिया में विज्ञापन के लिए पुष्पा अरुण कुमार ने 65 लाख रुपये भी दिए थे, लेकिन इसके बावजूद फिल्म का सही तरीके से प्रचार नहीं किया गया। इतना ही नहीं, जब पैसों का हिसाब मांगा गया तो हरीश अरासु ने कथित तौर पर बदसलूकी की और फिल्म के खिलाफ नकारात्मक प्रचार करने की धमकी भी दी। इस पूरे मामले को लेकर पुष्पा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। गौरतलब है कि यश की मां पुष्पा अरुण कुमार खुद भी फिल्म प्रोडक्शन से जुड़ी हुई हैं। वह 'पीए प्रोडक्शंस' नाम से अपना प्रोडक्शन हाउस चलाती हैं। इसी बैनर तले बनी कन्नड़ फिल्म 'कोथलावाड़ी' इसी साल 1 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, इन विवादों की वजह से उनका नाम बार–बार सुर्खियों में आ रहा है, जिससे यश और उनका परिवार भी चर्चा का केंद्र बन गया है।

साल 2026 का पहला तलाक... माही विज और जय भानुशाली ने 14 साल की शादी का किया अंत

टीवी इंडस्ट्री के लोकप्रिय कपल माही विज और जय भानुशाली ने आखिरकार अपने तलाक की घोषणा कर दी है। दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है, जिससे उनकी 14 साल पुरानी शादी का अंत हो गया। इस खबर के बाद उनके फैंस भावुक हो गए हैं, क्योंकि माही और जय को लंबे समय तक टीवी इंडस्ट्री का मजबूत और खुशहाल जोड़ी माना जाता रहा है। आपको बता दें कि, लंबे समये से दोनों के अलग होने की खबरें आ रही थीं। कपल ने एक संयुक्त बयान जारी कर बताया कि यह फैसला उन्होंने शांति और समझदारी के साथ लिया है। दोनों ने साफ किया कि इस अलगाव में किसी का दोष नहीं है। यह निर्णय नकारात्मकता की वजह से नहीं, बल्कि मानसिक शांति, आपसी सम्मान और बेहतर भविष्य के लिए लिया गया है। इंस्टाग्राम स्टोरी में दोनों ने लिखा कि उन्होंने प्यार, समझदारी और इंसानियत की साझा कीमतों को साथ आगे बढ़ाया। शांति, खुशी और बच्चों के भले के लिए उन्होंने अलग होने का फैसला किया। उन्होंने यह भी कहा कि अब उनका रास्ता अलग है, लेकिन इसमें कोई खलनायक नहीं है। माही और जय दोनों एक–दूसरे का सम्मान करते रहेंगे और अपने फैंस से भी उनकी निजता और फैसले का सम्मान करने की अपील की है। कपल ने बताया कि वे अपनी 6 साल की बेटी तारा की परवरिश मिलकर करते रहेंगे। इसके अलावा, वे अपने अडोप्टेड बच्चों की देखभाल भी साथ मिलकर करेंगे। माही विज और जय भानुशाली ने 2011 में शादी की थी और इसके पहले लंबे समय तक डेट किया था। माही हाल ही में टीवी शो 'सहर होने को है' से 9 साल बाद वापसी कर रही हैं। वहीं जय भानुशाली कई शोज होस्ट कर चुके हैं और फिलहाल विदेश टूर कर रहे हैं।

विनीत कुमार सिंह और सैयामी खेर ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू की

अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने नई एनर्जी और एक्साइटिंग प्लान्स के साथ नए साल की शुरुआत की है। 2025 में लगातार हिट फिल्में, जिसमें उनकी सबसे बड़ी सफलताओं में से एक 'छावा' भी शामिल है, के बाद, 2026 विनीत के लिए ज़ोरदार तरीके से शुरू हो रहा है। एक्टर ने एक नए प्रोजेक्ट के लिए डिज़ाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ हाथ मिलाया है। विनीत ने कहानी को ष्खूबसूरतष और अपने दिल के करीब बताया है, हालांकि अभी डिटेल्स को सीक्रेट रखा गया है। विनीत कुमार सिंह और सैयामी खेर ने अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। सिंह ने रविवार को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए यह जानकारी साझा की। इस पोस्ट में पूजा समारोह की तस्वीरों और वीडियो के साथ फिल्म के 'क्लैपर बोर्ड' की एक तस्वीर भी थी। उन्होंने कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को आप सभी के सामने लाने के लिए उत्साहित हूं! फिलहाल, इस प्रक्रिया का आनंद लेते हैं और कुछ कमाल करते हैं। विक्रम फड़नीस द्वारा निर्देशित इस फिल्म का अभी नाम नहीं रखा गया है। इसमें ताहिर राज भसीन भी काम कर रहे हैं। सैयामी खेर जल्द ही अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ फिल्म हैवान में दिखाई देंगी। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में श्रिया पिलगांवकर भी हैं। विनीत कुमार सिंह हाल ही में फिल्म तेरे इश्क में में नजर आए थे। नवंबर में रिलीज हुई इस फिल्म में कृति सैनन और धनुष मुख्य भूमिकाओं में थे और इसका निर्देशन आनंद एल राय ने किया था। फिल्म में सिंह ने वी शेखावत का किरदार निभाया था। युवा के राउंडटेबल शो श्बी ए मैन, यारश में, विनीत कुमार सिंह ने अपने शुरुआती करियर के मुश्किल दौर के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि, अपने स्ट्रगल के दिनों में, इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें कई छोटी और अजीब नौकरियां करनी पड़ीं।

नहीं बनेगा विजय देवरकोंडा की किंगडम का सीक्वल, डायरेक्टर बोले-पहले ही पता था ये फ्लॉप होगी

साउथ सुपरस्टार विजय देवरकोंडा की फिल्म 'किंगडम' को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह था। जब यह 2025 में रिलीज हुई, तो फैंस को इससे काफी उम्मीदें थीं। हालांकि, रिलीज के बाद फिल्म दर्शकों का उत्साह ठंडा कर दिया और बॉक्स ऑफिस पर असफल साबित हुई। अब इसी के चलते फिल्म के मेकर्स ने इसके सीक्वल 'किंगडम 2' को न बनाने का फैसला किया है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के निर्देशक नागा वामसी ने की है। फिल्म को लेकर बातचीत करते हुए नागा वामसी ने एक इंटरव्यू में कहा कि वह अब अपनी फिल्मों का जरूरत से ज्यादा प्रचार या तारीफ करने से बचना चाहते हैं। उनके मुताबिक, "मैं अपनी फिल्मों को बहुत ज्यादा प्रमोट नहीं करना चाहता, क्योंकि 2025 में यही तरीका मेरे लिए उल्टा पड़ गया। नागा वामसी ने किंगडम के बॉक्स ऑफिस वर्डिक्ट को लेकर कहा–रिलीज से लगभग एक हफ्ते पहले ही मुझे पता चल गया था कि फिल्म नहीं चलेगी। बात हिट या फ्लॉप होने की नहीं थी। मुझे पता था कि फिल्म के दूसरे पार्ट में कुछ गड़बड़ है। इसे इमोशनल तौर पर मजबूत होना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इस फिल्म में कहीं न कहीं वो मूल भावना गायब थी। हमें पता था कि किंगडम कोई बुरी फिल्म नहीं है, लेकिन फिर भी मुझे कुछ शक था। हमारा मकसद था कि पहले ही दिन बजट का लगभग 70 प्रतिशत वसूल हो जाए। एक बार फिल्म रिलीज हो जाए, तो आप कुछ नहीं बदल सकते। इसलिए हमारा पूरा ध्यान जबरदस्त ओपनिंग पर था। किंगडम के फ्लॉप होने पर नागा वामसी ने कहा–मैं किसी को दोष नहीं दे रहा हूं। अगर फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई है, तो इसकी पूरी जिम्मेदारी मेरी है। फिल्म बुरी नहीं है, लेकिन कहीं न कहीं हमसे चूक हो गई। चाहे कास्टिंग में गड़बड़ी हो या कुछ और, मैं अभी भी ठीक से बता नहीं सकता। कुछ लोगों ने कहा कि संगीत में गड़बड़ी थी। लेकिन, मैं अभी भी समझ नहीं पा रहा हूं। डायरेक्टर ने आगे कहा–हम किंगडम 2 नहीं बनाएंगे। अभी इसके बारे में बात करने का कोई मतलब नहीं है। इससे गौतम को ही नुकसान होगा। हालांकि, हम एक अलग प्रोजेक्ट पर फिर से सहयोग कर रहे हैं। कुल मिलाकर, 'किंगडम' की असफलता के बाद मेकर्स ने इस फ्रेंचाइजी को आगे न बढ़ाने का फैसला किया है और अब विजय देवरकोंडा के फैंस उनकी आने वाली नई फिल्मों पर नजर लगाए बैठे हैं।

घर पर बनाएं त्मेजंनतंदज जैसा कुरकुरा गार्लिक पराठा, सब पूछेंगे ैमबतमज त्मबपचम

सर्दियों के मौसम में तला–भुना खाना काफी अच्छा लगता है। इस मौसम कई बार पराठा खाने की क्रेविंग तेज हो जाती है। इसी कारण से सुबह के नाश्ते में ज्यादातर लोग आलू, मूली, गोभी और मेथी के पराठे दही के साथ जरुर खाते है। अगर आप भी पुराने पराठे खाकर बोर हो चुके हैं और अब अपने टेस्ट बड्स को ट्रीट देने के साथ सेहत को भी अच्छा बनाए रखना चाहते हैं, तो घर पर इसे जरुर बनाएं। आइए आपको बताते हैं लहसून का क्रिस्पी गार्लिक पराठा कैसे बनाएं।

लहसुन का पराठा बनाने के लिए सामग्री

– 2 कप गेहूं का आटा
– 10–12 लहसुन की कलियां
– 1–2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च
– 1/4 कप ताजा हरा कटा धनिया
– 1/2 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर
– 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर
– स्वादानुसार नमक
– पराठा तलने के लिए घी या तेल

लहसुन का पराठा बनाने का तरीका

सबसे पहले आप कटे हुए लहसुन, हरी मिर्च, हरा धनिया, मसाले और नमक को आटे में मिलाकर धीरे–धीरे पानी डालते हुए नरम आटा गूंथ लें। इसके बाद ही आटे की छोटी–छोटी लोइयां तोड़कर उनसे बेलन की मदद से पराठा को बेल लें। जब पराठे को गरम तवे पर डालें, तो घी लगाते हुए पराठों को सुनहरा भूरा होने तक पकाएं। आपके टेस्टी और गार्लिक पराठा बनकर तैयार है।

किचन में रखी यह एक चीज भ्पही BP और Cholesterol को करेगी कंट्रोल, जानें इस्तेमाल का सही तरीका

वैसे तो जीरा का पानी पीना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। यह पाचन क्षमता में सुधार करता है, ब्लोटिंग में कमी करता है और मेटाबॉलिज्म को भी बूस्ट करता है। इसी कारण से ज्यादातर लोग इसको अपनी डाइट का हिस्सा बना लेते हैं। जीरा पानी पीने से बॉडी को डिटॉक्स करता है। यह शरीर के सभी टॉक्सिंस बाहर चले जाते हैं, जो आपको बीमार करने का जोखिम बढ़ा सकते हैं। यह माना जाता है कि जीरे का पानी पीने से हेल्थ अच्छी होती है। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जीरे का पानी पीने से ब्लड प्रेशर का स्तर कम होता है? इसलिए जीरा पानी को डाइट का हिस्सा बनाने से पहले यह जानकारी पता होनी चाहिए।

क्या जीरे का पानी पीने से ब्लड प्रेशर कम होता है?

जीरा का पानी एक प्रकार से डिटॉक्स वॉटर है, जो ओवर ऑल हेल्थ को लाभ पहुंचाता है। अगर आप रोजाना जीरे का पानी पीते हैं, तो यह आपके ब्लड प्रेशर पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। जीरे के पानी में पोटैशियम सहित कई उपयोगी तत्व होते हैं, जो दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद करते हैं। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाने में सहायक होता है और खून के थक्के बनने के खतरे को कम करता है। नियमित सेवन से हाई बीपी को नियंत्रित करने में भी मदद मिल सकती है।

जीरा पानी किस तरह ब्लड प्रेशर को रेगुलेट करता है

पोटैशियम कंटेंटे

जीरे में सबसे अधिक पोटैशियम की मात्रा पाई जाती है। यह ब्लड प्रेशर के स्तर को कम करने और हार्ट रेट को रेगुलेट करने में मदद करता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन में प्रकाशित हुई एक लेख में साफ लिखा है कि पोटैशियम की मदद से सोडियम के इफेक्ट को कम किया जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है

जीरे में कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स मौजूद होते हैं, जो शरीर के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में होने वाले ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करते हैं, जिससे संपूर्ण स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इसके असर से रक्त वाहिकाएं सही तरीके से काम करती हैं और रक्त संचार भी सुधरता है। इसी कारण जीरा ब्लड प्रेशर को संतुलित रखने में सहायक भूमिका निभा सकता है।

कोलेस्ट्रॉल के स्तर की कमी

कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ने से हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत हो जाती है। ये दोनों ही आपसे में जुड़े हुए होते है। जब हाई कोलेस्ट्रॉल होता है, तो ब्लड वेसल्स में प्लाक जम जाता है, जिस कारण से ब्लड फ्लो बाधित होता है और यह अवस्था को ब्लड प्रेशर को भी प्रभावित करती है। यदि आप जीरा पानी पीते हैं, तो इसकी वजह से कोलेस्ट्रॉल के स्तर को संतुलित किया जा सकता है, जो कि ब्लड प्रेशर को सही तरह से रेगुलेट करता है, हार्ट डिजीज का रिस्क कम करता है और ब्लड क्लॉटिंग से भी बचाव करता है।

कैसे पिएं जीरा का पानी?

– एक गिलास पानी लें और उसमें एक चम्मच जीरा डालकर भिगो दें। इसे लगभग 8 घंटे या पूरी रात ऐसे ही रहने दें। सुबह उठकर जीरे को छान लें और बचे हुए पानी को खाली पेट पीएं। नियमित रूप से ऐसा करने से बेहतर लाभ मिल सकता है।

– एक चम्मच जीरा लें और उसे एक से दो कप पानी में डालकर अच्छे से उबालें। लगभग 5ृ10 मिनट तक उबालने के बाद आंच बंद कर दें। अब पानी को छान लें और इस जीरे के पानी को चाय की तरह आराम से पिएं।

इन 5 तरह के लोगों को रात को सोने से पहले दूध नहीं पीना चाहिए, जानिए वजह

दूध को सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। बचपन से ही हमें रोज एक गिलास दूध पीने की सलाह दी जाती है। दूध ा कैल्शियम, प्रोटीन और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने, बच्चों के विकास और शरीर को एनर्जी देने में मदद करता है। आमतौर पर सुबह या शाम के समय दूध पीना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है, लेकिन कुछ लोगों के लिए रात को सोने से पहले दूध पीना नुकसानदायक भी हो सकता है। ऐसे लोगों को रात में दूध पीने से बचना चाहिए।

आइए जानते हैं ऐसे 5 तरह के लोग कौन हैं

ज्यादा वजन या मोटापे से परेशान लोग

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं या मोटापे से परेशान हैं, उन्हें रात को सोने से पहले दूध पीने से बचना चाहिए। दूध में मौजूद फैट और कैलोरी दिन के मुकाबले रात के समय शरीर में ज्यादा आसानी से जमा हो जाती हैं, क्योंकि इस दौरान शरीर की गतिविधियां कम होती हैं। इससे कैलोरी बर्न नहीं हो पाती और वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए मोटापा कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए रात में दूध पीना नुकसानदायक हो सकता है।

साइनस और खांसी की समस्या वाले लोग

साइनस, जुकाम या पुरानी खांसी की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए रात में दूध पीना नुकसानदायक हो सकता है। दरअसल, दूध पीने से शरीर में बलगम (म्यूकस) का निर्माण बढ़ सकता है, जो रात के समय गले और सांस की नलियों में जमा हो जाता है। इससे सांस लेने में दिक्कत, गले में भारीपन और खांसी बढ़ने की समस्या हो सकती है, इसलिए ऐसे लोगों को सोने से पहले दूध पीने से परहेज करना चाहिए।

शुगर (टाइप–2 डायबिटीज) के मरीज

टाइप–2 डायबिटीज से पीड़ित मरीजों को रात में दूध पीने से परहेज करना चाहिए। दूध में लैक्टोज नाम की प्राकृतिक शुगर मौजूद होती है, जो सोने से पहले लेने पर ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकती है। रात के समय शरीर की सक्रियता कम होने के कारण शुगर आसानी से नियंत्रित नहीं हो पाती, जिससे सुबह तक ब्लड शुगर हाई रहने का खतरा बढ़ जाता है।

लैक्टोज इनटॉलरेंस वाले लोग

जिन लोगों को लैक्टोज इनटॉलरेंस की समस्या होती है, उनके लिए दूध पीना नुकसानदायक हो सकता है। ऐसे लोगों का शरीर दूध में मौजूद लैक्टोज को सही तरीके से पचा नहीं पाता, जिससे दूध पीने के बाद पेट दर्द, गैस, सूजन, अपच या दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। खासकर रात के समय यह समस्याएं ज्यादा बढ़ सकती हैं, इसलिए लैक्टोज इनटॉलरेंस वाले लोगों को दूध से दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

गैस, अपच और एसिडिटी से परेशान लोग

जिन लोगों को अक्सर गैस, अपच या एसिडिटी की समस्या रहती है, उनके लिए रात में दूध पीना परेशानी को बढ़ा सकता है। दूध पचने में भारी होता है और रात के समय पाचन क्रिया ध ीमी होने के कारण इससे पेट भारी लग सकता है, जलन या गैस की समस्या बढ़ सकती है। इसका असर नींद पर भी पड़ता है, जिससे बार–बार बेचैनी या असहजता महसूस हो सकती है। दूध ा सेहत के लिए फायदेमंद जरूर है, लेकिन हर समय और हर व्यक्ति के लिए नहीं। अगर आपको ऊपर बताई गई कोई समस्या है, तो रात में दूध पीने से बचें और जरूरत हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

सर्दियों में मालिश के लिए कौन सा तेल सबसे अच्छा? जानिए कौन सा तेल शरीर को रखता है गर्म

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर में अकड़न, जोड़ों का दर्द, मांसपेशियों में खिंचाव और त्वचा का रूखापन बढ़ने लगता है। ठंडी हवा और धूप की कमी के कारण ब्लड सर्कुलेशन भी धीमा हो जाता है, जिससे शरीर में थकान और दर्द महसूस होने लगता है।

ऐसे में तेल से मालिश करना शरीर को राहत देने का सबसे पुराना और असरदार घरेलू उपाय माना जाता है। सही तेल से की गई मालिश न सिर्फ शरीर को गर्म रखती है, बल्कि दर्द, सूजन और जकड़न को भी कम करती है। गांवों से लेकर शहरों तक सर्दियों में तेल मालिश की परंपरा आज भी निभाई जाती है। अगर मालिश के लिए तेल घर पर तैयार किया जाए, तो उसका असर और भी ज्यादा बढ़ जाता है।

सर्दियों में मालिश का तेल कैसे बनाएं?

घर पर सर्दियों के लिए असरदार मालिश तेल बनाना बहुत आसान है।

सामग्री

सरसों का तेलः 1 कप
लहसुन की कलियांः 6 से 8 (छिली हुई)
अजवाइनः 1 चम्मच

बनाने की विधि

एक पैन में सरसों का तेल डालें।
इसमें लहसुन की कलियां और अजवाइन मिलाएं।
धीमी आंच पर तेल को गर्म करें।
जब लहसुन हल्का ब्राउन हो जाए, तो गैस बंद कर दें।
तेल को ठंडा होने दें और छानकर कांच की बोतल में भर लें।

यह तेल जोड़ों के दर्द, ठंड से होने वाली अकड़न और मांसपेशियों के खिंचाव में काफी राहत देता है।

सर्दियों में मालिश के लिए कौन सा तेल अच्छा है?

सरसों का तेलः सर्दियों में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है। यह शरीर को अंदर से गर्म रखता है और गहराई तक असर करता है।

तिल का तेलः ड्राई स्किन वालों के लिए फायदेमंद, त्वचा को पोषण देता है।

नारियल का तेलः तासीर में ठंडा होता है, इसलिए ज्यादा ठंड में इसका इस्तेमाल कम करना चाहिए।

सबसे ज्यादा गर्म तासीर वाला तेल कौन सा है?

आयुर्वेद के अनुसार सरसों का तेल सबसे ज्यादा गर्म तासीर वाला माना जाता है।

यह ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाता है
ठंड से होने वाले दर्द में राहत देता है
नसों और मांसपेशियों को मजबूत करता है

इसी वजह से सर्दियों में सरसों के तेल से मालिश करने की सलाह दी जाती है।

जैतून का तेल गर्म होता है या ठंडा?

जैतून का तेल तासीर में हल्का गर्म माना जाता है।

यह त्वचा को मुलायम बनाता है
मांसपेशियों को आराम देता है

हालांकि बहुत ज्यादा ठंड में यह सरसों के तेल जितना असरदार नहीं होता।

लहसुन, अजवाइन और सरसों के तेल के फायदे

लहसुनः दर्द और सूजन कम करने वाले गुण होते हैं
अजवाइनः जोड़ों की सूजन, अकड़न और गैस की समस्या में राहत देती है
सरसों का तेलः शरीर को गर्म रखता है और नसों को मजबूत बनाता है

इन तीनों का मिश्रण सर्दियों के लिए एक बेहतरीन घरेलू मालिश तेल बन जाता है।

खास सलाहः रात को सोने से पहले या नहाने से पहले हल्के गुनगुने तेल से मालिश करने से सर्दियों में शरीर ज्यादा आराम महसूस करता है।

पार्टी नाइट में मेकअप रहेगा फ्लालेस, बस अपने बैग में रखें ये कुछ जरूरी मेकअप

हर किसी के लिए नए साल की पार्टी बेहद खास होती है। खासतौर पर लड़कियां इसके लिए खूब तैयारी करती हैं। पार्टी में परफेक्ट लुक पाने के लिए खूब तैयार होती हैं, लेकिन पार्टी के दौरान खाना, डांस और लंबे समय तक मेकअप रहने या फिर मौसम की वजह से कई बार मेकअप बिगड़ जाता है, जोकि आम है। ऐसे में अगर आपकी बैग में कुछ जरूरी मेकअप की चीजें मौजूद होंगी, तो आप अपने लुक को फौरन ठीक कर सकती हैं या फिर बिना किसी झिझक के पार्टी को एंन्जॉय कर सकती हैं।

नए साल की पार्टी में फोटो सेशन, दोस्तों के साथ मस्ती और सोशल मीडिया रील्स के बीच आपका कॉन्फिडेंस तभी बना रहता है, जब आप खुद को फ्रेश और प्रजेंटेबल फील करें। ऐसे में पार्टी में जाने के दौरान एक छोटा सा मेकअप पाउच जरूर रखें। यह आपके मेकअप को टचअप करने में मदद करेगा और आपको फ्रेश और ग्लैमरस बनाए रखता है।

कॉम्पैक्ट पाउडर

पार्टी में डांस और भागदौड़ की वजह से फेस पर पसीना और ऑयल आना आम बात है। जिस कारण मेकअप पैची दिखने लगता है। ऐसे में कॉम्पैक्ट पाउडर आपके फेस को फौरन ही मैट और फ्रेश लुक देने का काम करता है। साथ ही कॉम्पैक्ट पाउडर स्किन टोन को भी इवन करता है और बिना ज्यादा मेकअप के भी फेस को साफ–सुथरा दिखाता है। खासतौर पर टी जोन एरिया के लिए कॉम्पैक्ट पाउडर बहुत काम आता है।

लिपस्टिक या फिर लिप टिंट

अक्सर खानेपीने के दौरान लिपस्टिक फीकी पड़ जाती है। इसलिए अपनी फेवरेट लिप टिंट या लिपस्टिक साथ जरूर रखनी चाहिए। यह आपके लुक को फ्रेश बनाता है। पार्टी लुक के लिए न्यूड या रेड शेड लिपस्टिक परफेक्ट होती है।

आईलाइनर या काजल

आंखे मेकअप का सबसे अहम हिस्सा होता है। अगर आईलाइनर हल्का हो जाए, या फिर काजल फैल जाए, तो आपका पूरा लुक बिगड़ सकता है। ऐसे में आपको अपने पर्स में आईलाइनर या काजल जरूर रखना चाहिए। क्योंकि यह आपके लुक को शार्प और अट्रैक्टिव बनाता है।

मेकअप सेटिंग स्प्रे

अगर लंबे समय तक पार्टी चलती है, तो आपका मेकअप जल्दी खराब हो सकता है। लेकिन सेटिंग स्प्रे आपके मेकअप को लॉक कर देता है और आपके मेकअप को लंबे समय तक फ्रेश बनाए रखता है। सेटिंग स्प्रे से मेकअप क्रैक नहीं होता है और आपके फेस पर नेचुरल ग्लो बना रहता है।

ब्लॉटिंग पेपर

अगर आप अधिक मेकअप नहीं करना चाहती हैं, तो ब्लॉटिंग पेपर सबसे बेस्ट ऑप्शन है। ब्लॉटिंग पेपर आपके फेस से एक्स्ट्रा ऑयल को सोख लेता है, वह भी बिना मेकअप को खराब किए। ऑयली स्किन वालों के लिए खासतौर पर ब्लॉटिंग पेपर बेहद फायदेमंद होता है।

भारत–बांग्लादेश के बीच तनाव और बढ़ा, आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाई; I-B मंत्रालय ने की पुष्टि

ढाका। भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजने का फैसला करने के बाद अब बांग्लादेश ने आईपीएल के प्रसारण पर भी रोक लगा दी है। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, अंतरिम सरकार ने आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगाने का फैसला किया है। आईपीएल 2026 की शुरुआत मार्च में होनी है।

कहां से हुई विवाद की शुरुआत?

भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद उस वक्त से गरमा गया है जब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से बाहर करने कहा था। पूरे विवाद की शुरुआत मुस्तफिजुर को आईपीएल से बाहर करने से शुरू हुई। केकेआर ने पिछले महीने मिनी नीलामी में मुस्तफिजुर को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। लेकिन बीसीसीआई के निर्देश पर केकेआर ने इस बांग्लादेशी गेंदबाज को टीम से बाहर कर दिया। मुस्तफिजुर को लेने पर भारत में विरोध हो रहा था और कई राजनेताओं तथा कथावाचक ने इसे लेकर केकेआर के मालिका शाहरुख खान को घेरा था। मुस्तफिजुर को बाहर करने के बाद बांग्लादेश बौखला गया है।

बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने की पुष्टि

बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के खेल मंत्री आसिफ नजरुल ने कहा था कि उन्होंने बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्री से अनुरोध किया है कि बांग्लादेश में आईपीएल का प्रसारण निलंबित किया जाए। इसके एक दिन बाद ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने आईपीएल का प्रसराण निलंबित करने का फैसला लिया। बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा, मार्च से शुरू होने वाले आगामी आईपीएल के लिए बांग्लादेशी क्रिकेटर मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम से बाहर करने के बीसीसीआई के फैसले से बांग्लादेश के लोग बेहद आहत, दुखी और आक्रोशित हैं। इन परिस्थितियों में बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने सूचित किया है कि अगले आदेश तक बांग्लादेश में आईपीएल के सभी मैच और संबंधित कार्यक्रमों का प्रसारण निलंबित रहेगा।

टी20 विश्व कप के लिए भारत नहीं आएगी टीम

इससे पहले, रविवार को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने स्पष्ट किया था कि वह अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजेगा। उन्होंने आईसीसी से श्रीलंका में विश्व कप के मैच कराने की मांग की है। फिलहाल आईसीसी ने बीसीबी की मांग पर कोई फैसला नहीं लिया है। बांग्लादेश को अपने चार लीग मैच में से तीन कोलकाता और एक मुंबई में खेलना है। बांग्लादेश के लीग मैच वेस्टइंडीज (सात फरवरी), इटली (नौ फरवरी) और इंग्लैंड (14 फरवरी) के खिलाफ कोलकाता में और नेपाल (17 फरवरी) के खिलाफ मुंबई में है। बांग्लादेश को ग्रुप सी में इटली, नेपाल, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के साथ रखा गया है।

संक्षिप्त

सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाना सामाजिक, आर्थिक नजरिये से जरूरी : स्मृति ईरानी

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि महिलाओं द्वारा संचालित सूक्ष्म उद्यमों को सशक्त बनाना सामाजिक के साथ आर्थिक नजरिये से भी जरूरी है। ईरानी ने यहां आयोजित राजस्थान डिजिफेस्ट और टाई ग्लोबल समिट 2026 को संबोधित करते हुए कहा, महिलाओं को सफलता के शिखर पर भी जोखिम उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए। महिला एवं बाल विकास और कपड़ा मंत्रालय का दायित्व संभाल चुकीं ईरानी ने स्पार्क पहल का उल्लेख भी किया जिसका उद्देश्य 300 शहरों में एक लाख महिला उद्यमियों को ऋण, औपचारिकता और संस्थागत सहयोग तक पहुंच उपलब्ध कराना है। सम्मेलन के दूसरे दिन एक अभियान की शुरुआत भी हुई, जिसका लक्ष्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को आर्थिक वृद्धि और रोजगार के प्रमुख चालक के रूप में मजबूत करना है। टाई के मुताबिक, यह पहल अगले पांच वर्षों में एक करोड़ नौकरियां और 100 अरब डॉलर से अधिक का आर्थिक मूल्य उत्पन्न करने का लक्ष्य रखती है। इसके लिए सरकारों, उद्योग संगठनों, पूंजी प्रदाताओं और विश्वभर के टाई चौप्टर को जोड़ा जाएगा। मुख्य फोकस क्षेत्रों में नियामकीय सरलीकरण, पूंजी तक पहुंच, कौशल विकास, तकनीक अपनाना और क्लस्टर–आधारित क्षेत्रीय विकास शामिल हैं। एमएसएमई पर केंद्रित एक अन्य सत्र में महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के अधिकारियों ने स्थिर नियमों, आसान जीएसटी अनुपालन, बेहतर ऋण उपलब्धता और प्रौद्योगिकी–आधारित क्लस्टर विकास की भूमिका पर चर्चा की। सत्र के बाद आंध्र प्रदेश सरकार, टाई हैदराबाद और टाई विशाखापत्तनम के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान–प्रदान हुआ। इससे पहले भविष्य के शहरों के निर्माण पर केंद्रित सत्र में वैश्विक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी पर चर्चा हुई। चर्चा में दुबई इंटरनेट सिटी के इस क्षेत्र के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में विकास और भारतीय स्टार्टअप के लिए एक प्रवेश–द्वार के रूप में इसकी भूमिका को रेखांकित किया गया।

स्विगी ने 50 से अधिक शहरों में ईट–राइट की शुरुआत की, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों पर नजर

स्विगी ने सोमवार को ईट–राइट नाम से एक नई श्रेणी शुरू करने की घोषणा की है, जो 50 से अधिक शहरों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपयोगकर्ताओं को लक्षित करती है। इस पहल के तहत एक ही स्थान पर उच्च प्रोटीन, कम कैलोरी और बिना अतिरिक्त चीनी वाले भोजन जैसे सेहतमंद विकल्प दिए जाएंगे। खाद्य वितरण मंच ने अपने ऑर्डर के आधार पर कुछ रोचक

तथ्य भी साझा किए हैं। इसके अनुसार भारत के टियर–2 शहरों में महानगरों की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक भोजन के ऑर्डर में सालाना आधार पर दोगुनी वृद्धि देखी गई है। इस दौड़ में चंडीगढ़, गुवाहाटी, लुधियाना और भुवनेश्वर सबसे आगे रहे हैं। ईट–राइट के जरिये दो लाख से अधिक रेस्तरां के 18 लाख से अधिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे। स्विगी के उपाध्यक्ष (खाद्य रणनीति, ग्राहक अनुभव और नई पहल) दीपक मालू ने कहा, ईट–राइट के साथ हम ऐसे भोजन के विकल्प दे रहे हैं जो उपयोगकर्ताओं के नियमित ऑर्डर में आसानी से फिट हो जाते हैं। स्पष्ट वर्गीकरण की वजह से यह चुनाव करने की दुविधा को दूर करता है और भोजन में स्वास्थ्यवर्धक विकल्पों को जोड़ता है। स्विगी ने बयान में कहा कि स्वास्थ्य के प्रति जागरूक भोजन पर बढ़ते उपभोक्ता ध्यान को देखते हुए उसके साझेदार ब्रांड भी नए उत्पाद तैयार कर रहे हैं।

उतार–चढ़ाव के बाद शेयर बाजार में गिरावट के साथ क्लोजिंग,

नई दिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार को शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। भारत के खिलाफ टैरिफ में और वृद्धि करने की अमेरिकी चेतावनी के बीच, ब्लू–चिप एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 322.39 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 85,439.62 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 446.68 अंक या 0.52 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 85,315.33 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 26,373.20 के रिकॉर्ड इंट्रा–डे उच्च स्तर को छूने के बाद, उस गति को बरकरार रखने में विफल रहा और 78.25 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 26,250.30 पर बंद हुआ। भारतीय डॉलर लगातार चौथे सत्र में कमजोर रहा और सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 8 पैसे गिरकर 90.28 (अस्थायी) पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे पिछड़ने वाली कंपनियों में शामिल थीं। इसके विपरीत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा स्टील और अल्ट्राटेक सीमेंट लाभ कमाने वाली कंपनियों में शामिल थीं। आशिका इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के अनुसार बैच के दौरान बेंचमार्क निफ्टी इंडेक्स ने 26,373.20 का नया सर्वकालिक उच्च स्तर हासिल किया; हालांकि, शीर्ष के पास मुनाफावसूली शुरू हो गई, जिससे इंडेक्स नीचे गिर गया और क्लोजिंग तक महत्वपूर्ण 26,200 सपोर्ट जोन का परीक्षण करने के लिए मजबूर हो गया।

विजय हजारे ट्रॉफी में श्रेयस अय्यर की दमदार वापसी, चोटिल शार्दुल ठाकुर की जगह बने मुंबई के कप्तान

भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी के शेष मैचों के लिए मुंबई टीम का कप्तान बनाया गया है। श्रेयस ने शार्दुल ठाकुर की जगह ली है, जो चोट के कारण इस प्रमुख घरेलू 50 ओवर के टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। सोमवार को जारी एक बयान में एसोसिएशन ने कहा कि एमसीए को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि श्रेयस अय्यर को विजय हजारे ट्रॉफी के शेष लीग मैचों के लिए मुंबई सीनियर पुरुष टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। इस बीच, 6 और 8 जनवरी को लीग चरण के शेष दो मैचों में मुंबई की कप्तानी अय्यर करेंगे। हालांकि, वीएचटी नॉकआउट में उनकी भागीदारी निश्चित नहीं है क्योंकि अय्यर को न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम में भी शामिल किया गया है। भारतीय टीम की घोषणा करते हुए बीसीसीआई ने कहा था कि न्यूजीलैंड वनडे सीरीज में अय्यर की भागीदारी उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। न्यूजीलैंड वनडे सीरीज 11 जनवरी से शुरू होगी, जबकि वीएचटी नॉकआउट 12 से 18 जनवरी तक होंगे। यदि अय्यर को बीसीसीआई की मेडिकल टीम से न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में खेलने की अनुमति मिल जाती है, तो वे वीएचटी नॉकआउट में नहीं खेल पाएंगे। तब मुंबई को एक अलग कप्तान नियुक्त करना होगा। एमसीए सचिव उन्मेश खानविलकर ने कहा, परिस्थिति स्पष्ट होने पर हम निर्णय लेंगे। श्रेयस शेष दो लीग मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे।९ अय्यर पिछले साल अक्टूबर में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे वनडे के दौरान तिल्ली में चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं।

जो रूट ने रचा इतिहास, रिकी पोंटिंग की बराबरी, अब सिर्फ कैलिस और सचिन आगे

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार, इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक टेस्ट शतक बनाने वाले संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सोमवार को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना 41वां टेस्ट शतक बनाकर इस दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज पोंटिंग ने 168 टेस्ट मैचों में 51.85 के शानदार औसत से 13378 रन बनाए हैं, जिनमें 41 शतक और 62 अर्धशतक शामिल हैं। सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड की पहली पारी के दौरान रूट ने 146 गेंदों में अपना 41वां टेस्ट शतक पूरा किया। यह चल रही एशेज सीरीज में रूट का दूसरा शतक था। इससे पहले, इस अनुभवी बल्लेबाज ने ब्रिस्बेन में पिंक बॉल टेस्ट के दौरान शतक जड़ा था। 2021 के बाद से, यह रूट का 24वां टेस्ट शतक है, जो किसी भी खिलाड़ी द्वारा बनाए गए शतकों की संख्या से अधिक है।

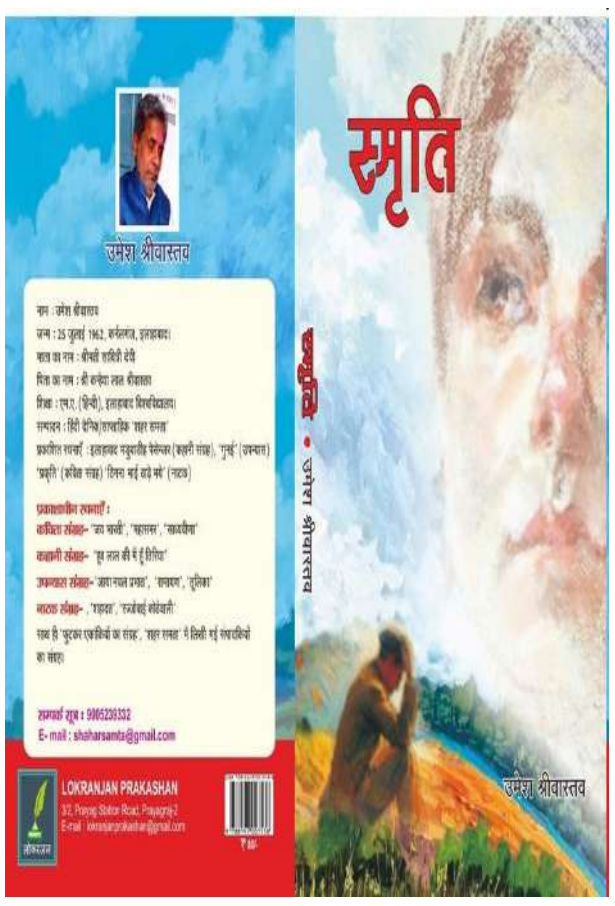

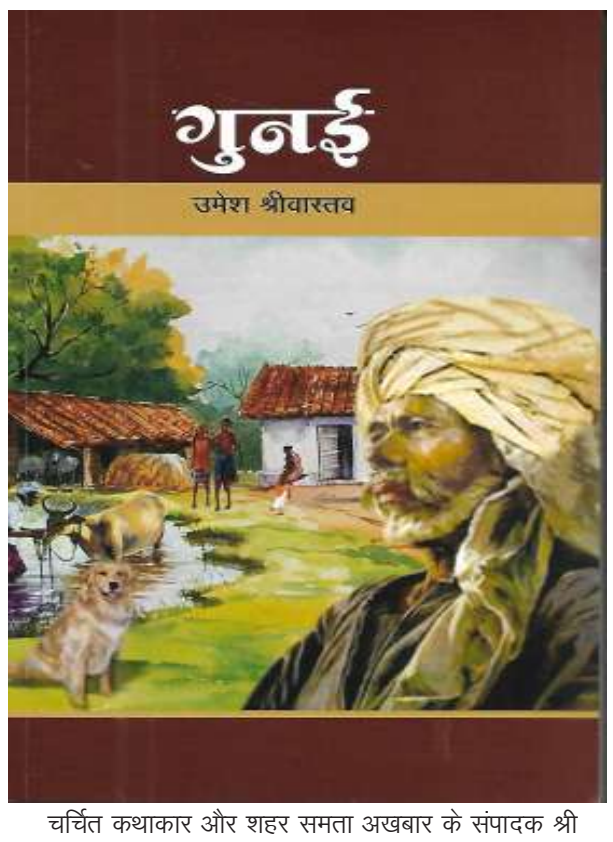

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

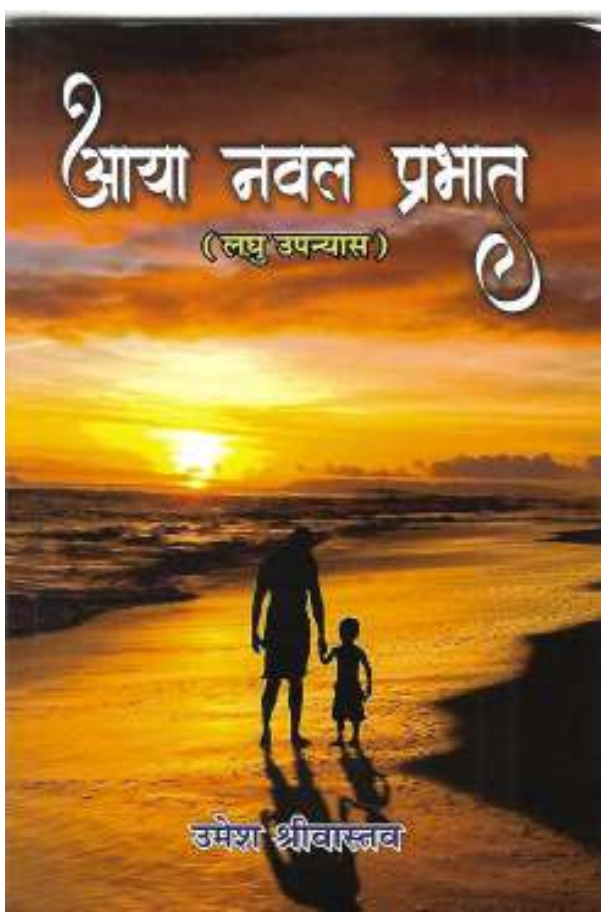

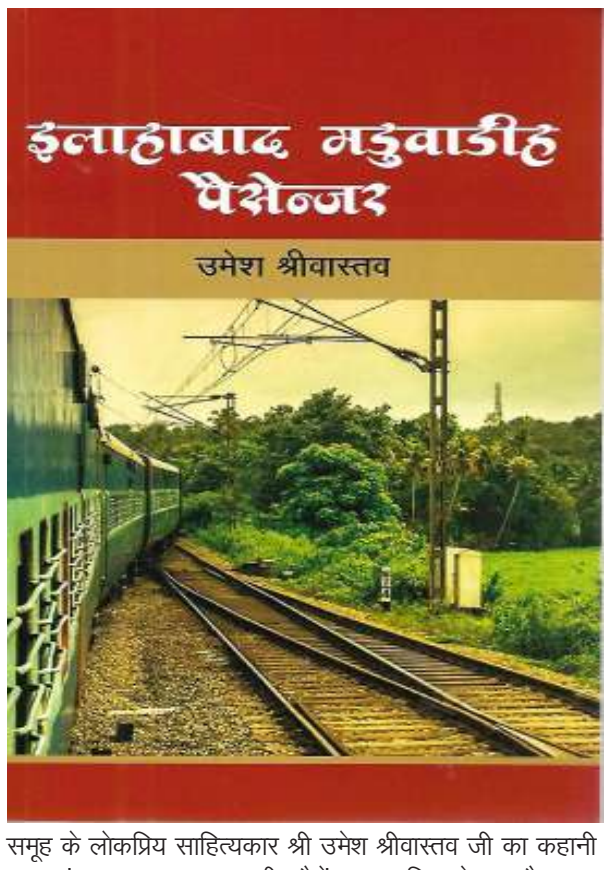

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

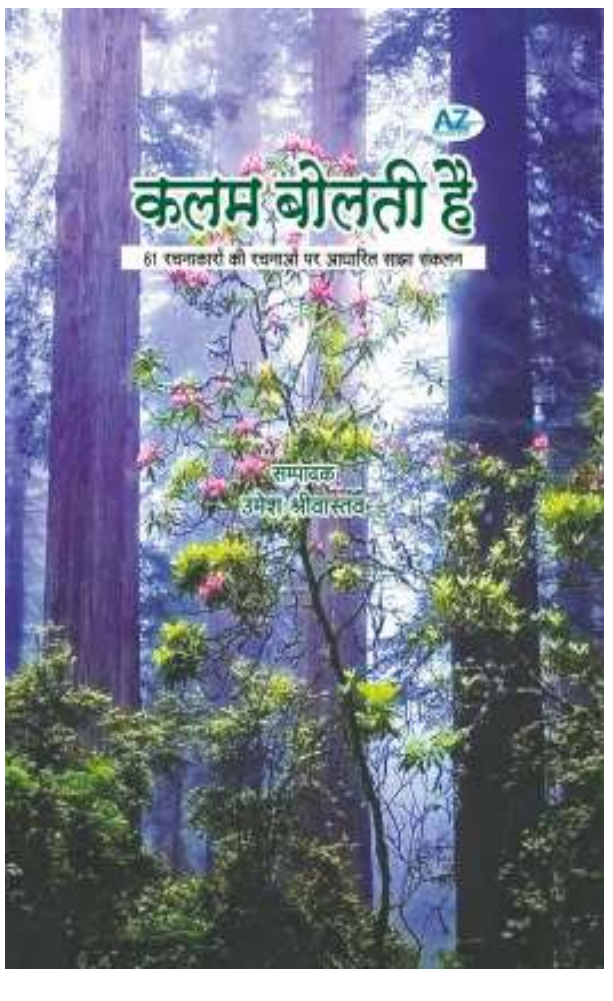

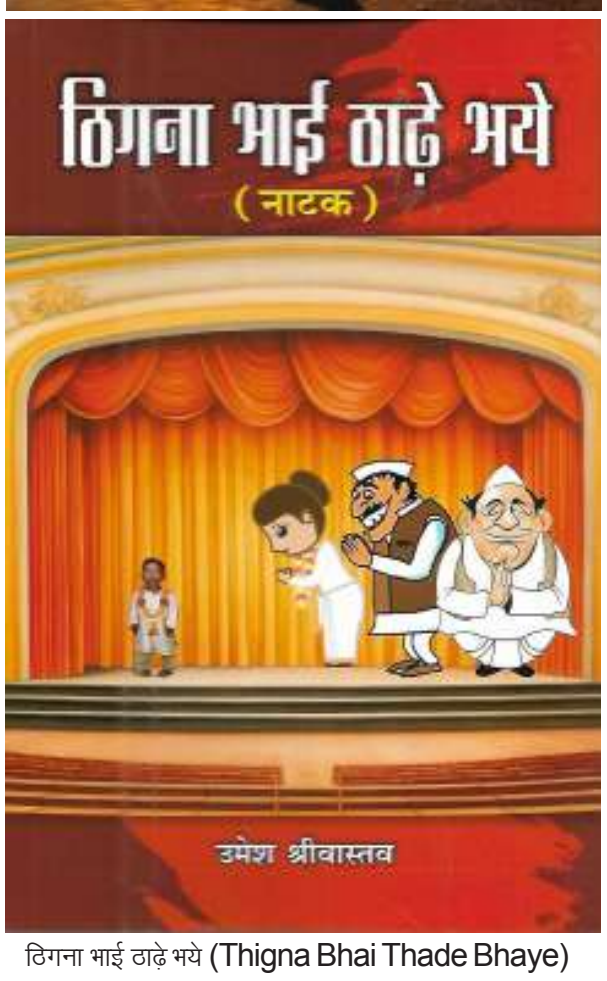

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

जहां हमले की अमेरिका सपने में भी सोच भी नहीं सकता, वो बनेगा खामनेई का महफूज ठिकाना ?

ट्रंप के ऑपरेशन ईरान से पहले ही प्लान बी एक्टिवेट

ईरान द्वारा दुश्मन के सामने न झुकने की घोषणा करने और अपने विरोधियों को ष्घुटने टेकनेष पर मजबूर करने की कसम खाने के कुछ दिनों बाद, देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई कथित तौर पर अशांति बढ़ने या सुरक्षा बलों द्वारा विरोध प्रदर्शनों को नियंत्रित करने में विफल रहने की स्थिति में ईरान छोड़ने की आकस्मिक योजना तैयार कर रहे हैं। द टाइम्स की रिपोर्ट में बताया कि अगर सेना या सुरक्षा सेवाएं उनके आदेश मानने से इनकार करती हैं, दल बदल लेती हैं या स्थिति पर नियंत्रण खो देती हैं, तो 86 वर्षीय नेता परिवार और करीबी सहयोगियों सहित लगभग 20 लोगों के साथ तेहरान छोड़ देंगे। इस योजना में उनके बेटे मोजतबा भी शामिल हैं, जिन्हें वे अपना उत्तराधिकारी मानते हैं।

ईरान की सत्ता पर अमेरिका की नजर

वेनेजुएला के तेल संसाधनो पर अमेरिकी कब्जे का सीधा अर्थ है कि अब उसकी नजरे ईरान में सत्ता बदलाव पर है। ऐसे में वेनेजुएला के तेल पर कंट्रोल इस दिशा में मददगार साबित हो सकता है। भविष्य में जब भी ईरान में दखल दिया जाएगा, तो पश्चिम एशिया के तेल की कीमतों मे संभावित वृद्धि के मद्देनजर ये कदम अहम साबित होगा। ट्रंप खुद को शांति का दूत बताते है लेकिन बावजूद इसके अमेरिका ने इस एक्शन से एक तथ्य प्रमाणित कर दिया है, वह अब भी उतना शक्तिशाली है, जितना वह शीत युद्ध के समय या शीत युद्ध के बाद था। अब ये तय है कि ईरान पर हमला कुछ वक्त की ही बात है। इसके बाद वर्ल्ड ऑर्डर में भी बदलाव आएगा।

कहां शरण ले सकते हैं खामनेई

कथित पलायन रणनीति पूर्व सीरियाई नेता बशर अल–असद के उदाहरण से प्रभावित प्रतीत होती है, जो तेहरान के करीबी सहयोगी हैं और दिसंबर 2024 में विपक्षी बलों द्वारा सीरियाई राजधानी पर कब्जा करने से पहले अपने परिवार के साथ दमिश्क से मॉस्को भाग गए थे। द टाइम्स ने एक सूत्र के हवाले से बताया कि खामेनेई की टीम ने पहले ही निकास मार्गों की रूपरेखा तैयार कर ली है और स्थिति बिगड़ने की स्थिति में उनके प्रस्थान के लिए विदेशी संपत्तियों और नकदी भंडार सहित रसद सहायता की तैयारी कर ली है। माना जाता है कि खामेनेई एक व्यापक वित्तीय नेटवर्क को नियंत्रित करते हैं, जिसका अधिकांश हिस्सा सेटाड के माध्यम से संचालित होता है। सेटाड एक शक्तिशाली समूह है जो अपारदर्शी वित्तीय संरचनाओं के लिए जाने जाने वाले अर्ध–सरकारी धर्मार्थ संस्थानों से जुड़ा हुआ है। 2013 में रॉयटर्स की एक जांच में अनुमान लगाया गया था कि कंपनियों और अचल संपत्ति सहित उनके नियंत्रण में संपत्तियों का मूल्य लगभग 95 अरब डॉलर है।

इजरायल के साथ युद्ध के बाद से खामेनेई का स्वास्थ्य

खुफिया आकलन में यह भी कहा गया है कि पिछले साल इजरायल के साथ हुए लगभग 12 दिनों के युद्ध के बाद से खामेनेई मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर हो गए हैं। तब से उन्होंने कुछ ही सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज कराई हैं और हाल के विरोध प्रदर्शनों में उनकी अनुपस्थिति उल्लेखनीय रही है। टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, संघर्ष के दौरान, उन्होंने कथित तौर पर एक बंकर में शरण ली थी ताकि इजरायली हमलों में मारे गए कई वरिष्ठ आईआरजीसी कमांडरों जैसी स्थिति से बच सकें। एक ओर तो वे विचारधारा से बेहद प्रेरित हैं, लेकिन दूसरी ओर वे व्यावहारिक भी हैं।

संक्षिप्त

''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पता था कि मैं खुश नहीं हूं'': ट्रंप ने भारत के रूसी तेल खरीद पर कहा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''जानते थे कि मैं भारत के रूसी तेल खरीदने से खुश नहीं हूं ''और अमेरिका कभी भी भारत के खिलाफ शुल्क में बढ़ोतरी कर सकता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने ये टिप्पणियां रविवार को फ्लोरिडा से वाशिंगटन डीसी जाते समय 'एयर फोर्स वन' (विमान) में पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान कीं। ट्रंप ने

कहा, ''वे (भारत) वास्तव में मुझे खुश करना चाहते थे। मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वह नेक दिल हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं थाा और मुझे खुश करना उनके लिए महत्वपूर्ण था। वे व्यापार करते और हम उन पर कभी भी शुल्क बढ़ा देते। यह उनके लिए बहुत बुरा होगा।'' ट्रंप की ये टिप्पणी तब आई जब 'एयर फोर्स वन' में उनके साथ यात्रा कर रहे अमेरिकी सांसद लिंडसे ग्राहम ने कहा कि ट्रंप द्वारा भारत पर लगाए गए शुल्क ही वह ''बड़ी वजह'' है जिसकी वजह से भारत अब रूस से काफी कम तेल खरीद रहा है। ग्राहम ने अपने शुल्क विधेयक के बारे में बात की जिसमें रूसी तेल खरीदने वाले देशों से आयात पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने का प्रस्ताव है। उन्होंने कहा कि रूस–यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ग्राहकों पर दबाव डालना आवश्यक है। ट्रंप ने कहा कि प्रतिबंधों से रूस को बहुत नुकसान हो रहा है और फिर उन्होंने भारत का जिक्र किया। इसके बाद ग्राहम ने कहा कि अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने पर भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाया है। ग्राहम ने कहा, '' करीब एक महीने पहले मैं भारतीय राजदूत के घर गया था और वह बस इसी बारे में बात कर रहे थे कि वे रूस से कम तेल खरीद रहे हैं।

अमेरिका के केप कॉड हवाई अड्डे पर एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत

अमेरिका के केप कॉड के 'प्रॉविन्सटाउन म्युनिसिपिल' हवाई अड्डे पर रविवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे पायलट की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमान में केवल पायलट ही था। एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह घटना केप कॉड के दक्षिणी

छोर पर स्थित समुद्र किनारे के इलाके के पास हुई। इसमें बताया गया कि दुर्घटना के कारण विमान में आग लग गई, दमकल कर्मियों और अन्य आपातकालीन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। बयान के अनुसार, पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने एक बयान में कहा कि यह विमान 'सेसना 172एन' था और वह इस हादसे की जांच करेगा। हादसे के कारण को लेकर फिलहाल कोई शुरुआती जानकारी नहीं दी गई। दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया। 'प्राविन्सटाउन' बोस्टन से करीब 80 किलोमीटर (50 मील) दक्षिण–पूर्व में केप कॉड के आखिरी सिरे पर स्थित है।

वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई में क्यूबा के 32 अधिकारी मारे गए : क्यूबा

क्यूबा की सरकार ने रविवार को पहली बार आधिकारिक तौर पर स्वीकार किया कि पिछले सप्ताहांत वेनेजुएला में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान उसके 32 अधिकारी मारे गए हैं। क्यूबा के सरकारी टेलीविजन पर रविवार रात जारी एक बयान के अनुसार देश के सैन्य और पुलिस अधिकारी एक अभियान पर थे और यह अभियान वेनेजुएला की सरकार के अनुरोध पर अंजाम दिया जा रहा था।

हालांकि, बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि क्यूबाई अधिकारी वेनेजुएला में किस अभियान में थे। क्यूबा, वेनेजुएला का सहयोगी देश है और वर्षों से वहां अभियानों में सहायता के लिए अपने सैन्य और पुलिस बल भेजता रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्लोरिडा से वाशिंगटन लौटते समय एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से कहा, ''आपको पता है, कल कई क्यूबाई मारे गए। उस पक्ष के काफी लोग मारे गए, लेकिन हमारी तरफ कोई हताहत नहीं हुआ।

अमेरिका में भारतीय महिला की हत्या, पूर्व प्रेमी संदेह के घेरे में

अमेरिका के मैरीलैंड राज्य से पिछले सप्ताह लापता हुई 27 वर्षीय भारतीय महिला मृत पाई गई है। पुलिस को संदेह है कि महिला के पूर्व प्रेमी ने उसकी हत्या की है और वह भारत फरार हो गया है। मैरीलैंड के एलिकॉट सिटी की रहने वाली निकिता गोडिशाला (27) दो जनवरी को लापता हो गई थी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

टैरिफ में छूट दे दो, रूस से तेल खरीदना कम कर देंगे... अमेरिकी सीनेटर ने भारत को लेकर किया सबसे बड़ा दावा

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने रविवार (स्थानीय समय) को दावा किया कि अमेरिका में भारतीय राजदूत विनय मोहन क्वात्रा ने पिछले महीने उनसे भारत द्वारा रूसी तेल की कम खरीद के बारे में बात की थी और उनसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से 25 प्रतिशत टैरिफ में छूट देने के लिए कहने को कहा था। ट्रंप के साथ एयर फ़ोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ग्राहम ने कहा मैं एक महीने पहले भारतीय राजदूत के घर पर था, और वह सिर्फ़ इस बारे में बात करना चाहते थे कि भारत कैसे कम रूसी तेल खरीद रहा है। और उन्होंने मुझसे राष्ट्रपति से 25ः टैरिफ हटाने के लिए कहने को कहा। यह ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल के लगातार आयात पर भारत को और अधिक शुल्क लगाने की चेतावनी दी है। प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वे नेक इंसान हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश करना उनके लिए ज़रूरी था। ट्रंप ने कहा वे व्यापार करते हैं, और हम उन पर बहुत जल्दी शुल्क बढ़ा सकते हैं। ट्रंप की भारत को यह नई चेतावनी ऐसे समय में आई है जब वाशिंगटन में रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, जबकि नई दिल्ली ने घरेलू ऊर्जा सुरक्षा के लिए तेल की खरीद को आवश्यक बताया है। इस बीच, वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले ने तेल के मुद्दे को एक बार फिर भू–राजनीति के केंद्र में ला दिया है। वेनेजुएला के पास विशाल तेल भंडार हैं, जो कुल मिलाकर 303 अरब बैरल से अधिक हैं, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा सिद्ध भंडार बन गया है। हालांकि, अमेरिकी प्रतिबंधों और कम निवेश के कारण उत्पादन घटकर 10 लाख बैरल प्रति दिन रह गया है। ओपेक के आंकड़ों के अनुसार, वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा सिद्ध तेल भंडार (अनुमानित 300 अरब बैरल से अधिक) है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 17ः है। ये टिप्पणियां ट्रंप और प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई टेलीफोन वार्ता के कुछ ही हफ्तों बाद आई हैं, जिसमें दोनों नेताओं ने टैरिफ संबंधी तनावों के बावजूद द्विपक्षीय व्यापार संबंधों में गति बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया था।

हालिया मिसाइल परीक्षणों में हाइपरसोनिक हथियार प्रणाली शामिल थी : उत्तर कोरिया

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने रविवार को जिन मिसाइल का प्रक्षेपण किया था, वे हाइपरसोनिक मिसाइल थीं। उत्तर कोरिया ने बताया कि उसके नेता किम जोंग ने हाइपरसोनिक मिसाइलों की परीक्षण–उड़ान देखी और देश की परमाणु युद्ध प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। इससे एक दिन पहले रविवार को दक्षिण कोरिया ने उत्तर कोरिया पर उकसावे की कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए कहा था कि

उसे कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपित किए जाने का पता लगा है। ये प्रक्षेपण उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ 'वर्कर्स पार्टी' की आगामी कांग्रेस (पार्टी की सर्वोच्च स्तर की बैठक) से पहले हथियारों का प्रदर्शन करने की ताजा घटना है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया कांग्रेस से पहले रक्षा क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां दिखाने के लिए हथियार परीक्षणों में तेजी ला सकता है। ये प्रक्षेपण दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग के चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शिखर वार्ता के लिए चीन रवाना होने से कुछ घंटे पहले हुए। सरकारी 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (केसीएनए) ने कहा कि हाइपरसोनिक हथियार प्रणाली से जुड़े रविवार के अभ्यास का उद्देश्य इसकी तत्परता की जांच करना, मिसाइल सैन्य बलों के मारक क्षमता परिचालन कौशल को बढ़ाना और देश की युद्ध निवारक क्षमता का आकलन करना था। केसीएनए के अनुसार किम ने कहा, ''आज के प्रक्षेपण अभ्यास के जरिए हम इस बात की पुष्टि कर सकते हैं कि राष्ट्र की रक्षा के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी से जुड़ा कार्य पूरा किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''हमें सैन्य संसाधनों, खासकर आक्रामक हथियार प्रणालियों का लगातार उन्नयन करना चाहिए।'' हाइपरसोनिक हथियार से उत्तर कोरिया को अमेरिका और दक्षिण कोरिया की मिसाइल रक्षा ढालों को भेदने की क्षमता मिल जाएगी। उत्तर कोरिया ने पिछले कई वर्षों में इसे हासिल करने के लिए कई परीक्षण किए हैं लेकिन कई विदेशी विशेषज्ञ सवाल उठाते हैं कि क्या इन परीक्षण के दौरान मिसाइलों ने वांछित लक्ष्य हासिल किया। रविवार को उत्तर कोरिया के परीक्षण ऐसे समय में हुए हैं जब एक दिन पहले ही अमेरिकी सैन्य अभियान में वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़कर अमेरिका लाया गया था जहां उन पर नशीले पदार्थों से संबंधित आतंकवाद की साजिश के आरोप लगाए गए हैं। उत्तर कोरिया ने इस अभियान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह एक बार फिर ''अमेरिका के कुटिल और क्रूर स्वभाव'' को दर्शाता है।

अपदस्थ राष्ट्रपति मादुरो के बेटे बोले– इतिहास बताएगा गद्दार कौन? यूएस की कार्रवाई के बीच ऑडियो वायरल

वेनेजुएला पर बड़ी अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद निकोलस मादुरो के बेटे निकोलस मादुरो गुएरा का बयान सामने आया है। स्थानीय दैनिक एल–कोऑपरेटिव की रिपोर्ट के अनुसार निकोलस मादुरो गुएरा ने कहा कि इतिहास बताएगा कि गद्दार कौन हैं? गुएरा का यह बयान अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद आया है। दरअसल अमेरिकी सैना ने उनके पिता और प्रथम महिला सिलिया फ्लोर्स को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके साथ ही उन्हें मुकदमे का सामना करने के लिए न्यूयॉर्क लाया गया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में, मादुरो गुएरा ने सत्तारूढ़ आंदोलन के भीतर संभावित विश्वासघात की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि इतिहास उन लोगों को बेनकाब करेगा, जो इसके लिए जिम्मेदार हैं। इतिहास बताएगा कि गद्दार कौन थे, इतिहास इसका खुलासा करेगा। इसके साथ ही उन्होंने भीतर एक आंतरिक साजिश की ओर इशारा करते हुए यह बात कही। सत्तारूढ़ यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी ऑफ वेनेजुएला (पीएसयूवी) के सदस्य मादुरो गुएरा ने कहा कि हाल के घटनाक्रमों के बावजूद पार्टी एकजुट रहेगी। उन्होंने समर्थकों से 4 और 5 जनवरी को सार्वजनिक प्रदर्शनों में भाग लेने का आह्वान किया। ताकि नेतृत्व के इर्द–गिर्द एकजुटता को मजबूत किया जा सके। उन्होंने बाहरी आक्रमण का जवाब देने के लिए राजनीतिक और सैन्य समन्वय की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि निकोलस मादुरो इस समय अमेरिकी हिरासत में हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आंदोलन विभाजन या मनोबल में कमी की अनुमति नहीं देगा। एल–कोऑपरेटिव ने रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग में कहा कि सत्ताधारी खेमा दृढ़ है और लामबंद होने के लिए तैयार है। हम ठीक हैं, हम शांत हैं। आप हमें सड़कों पर, इन लोगों के साथ देखेंगे। वह हमें कमजोर देखना चाहते हैं। हम सम्मान के झंडे बुलंद करेंगे। क्या इससे हमें दुख होता है? बिल्कुल दुख होता है, बिल्कुल गुस्सा आता है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर पाएंगे, धिक्कार है! मैं अपनी जिंदगी, अपनी मां, सिलिया की कसम खाता हूं वह ऐसा नहीं कर पाएंगे। इस बीच, निकोलस मादुरो और सिलिया फ्लोरेस अमेरिकी हिरासत में हैं। सोमवार को न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले की एक संघीय अदालत में पेश होने की उम्मीद है। उन पर कथित तौर पर नारको–आतंकवाद और ड्रग्स तस्करी की साजिश से संबंधित आरोप हैं।

यूक्रेन ने पुतिन के आवास को निशाना नहीं बनाया : डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि यूक्रेन ने पिछले सप्ताह ड्रोन हमले में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास को निशाना नहीं बनाया था। दरअसल रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पिछले सप्ताह कहा था कि यूक्रेन ने उत्तर पश्चिमी नोवगोरोड क्षेत्र में पुतिन के सरकारी आवास पर ड्रोन से हमले किए, जिन्हें रूसी रक्षा प्रणालियों ने नाकाम कर दिया। लावरोव ने दोनों देशों के बीच जारी युद्ध समाप्त कराने के वास्ते हो रही गहन बातचीत के दौरान हमला करने के लिए कीव की आलोचना की थी। ट्रंप ने फ्लोरिडा स्थित अपने आवास

में दो सप्ताह बिताने के बाद रविवार को वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि ऐसा कोई हमला हुआ था।'' ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कियूक्रेन ने पिछले सप्ताह ड्रोन हमले में पुतिन के किसी आवास को निशाना नहीं बनाया था। ट्रंप के इस बयान से पहले यूरोपीय अधिकारियों ने कहा था कि हमले से संबंधित रूस का दावा शांति प्रयासों को कमजोर करने की रूस की चाल है। वहीं ट्रंप ने शुरुआत में रूस के आरोपों को सही माना था और इस पर चिंता भी व्यक्त की थी। उन्होंने सोमवार को संवाददाताओं से कहा था कि उनकी रूसी राष्ट्रपति सेफोन पर बातचीत हुई है और वह इस मामले को लेकर ''बहुत गुस्सा'' हैं। लेकिन बुधवार को ट्रंप रूस के दावे से असहमत नजर आए। उन्होंने अपने सोशल मीडिया मंच पर 'न्यूयॉर्क पोस्ट' के एक संपादकीय का लिंक साझा किया, जिसमें रूसी आरोपों पर संदेह जताया गया था। संपादकीय में पुतिन पर तीखा हमला करते हुए उन पर ''झूठ एवं नफरत'' फैलाने का आरोप लगाया गया।

मादुरो और उनकी पत्नी की आज अमेरिकी कोर्ट में पेशी

न्यूयॉर्क। वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस सोमवार (अमेरिकी समय) को एक संघीय न्यायाधीश के सामने पेश होंगे। सीबीएस न्यूज के मुताबिक अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इस बात की पुष्टि की गई है कि मामले की सुनवाई न्यूयॉर्क के दक्षिणी जिले में होगी। प्रवक्ता ने बताया कि मादुरो और उनकी पत्नी सोमवार को दोपहर 12 बजे संघीय अदालत में पेश होंगे। शनिवार को वाशिंगटन की ओर से वेनेजुएला पर बड़े पैमाने पर हमला करने के साथ ही निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर देश से बाहर ले जाने के बाद यह उनकी पहली अदालती पेशी होगी।

मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर में रखे गए मादुरो

खुफिया एजेंसियों और अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के संयुक्त अभियान में मादुरो और फ्लोरेस को काराकास में पकड़ा गया और देश से बाहर ले जाया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।